राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 18 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-27 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

अब बेटी होने की खुशियां मनाइये....

भजनलाल सरकार बेटी जन्म पर एक लाख नहीं, 1.5 लाख डालेगी खाते में

जयपुर। राजस्थान सरकार ने एक बड़ा फैसल लिया है। अब सरकार जन्म लेने वाली बेटी के खाते में एक लाख नहीं, 1.5 लाख रुपए जमा करवाएगी। महिला दिवस पर सीएम भजनलाल शर्मा ने 'लाडो प्रोत्साहन योजना' के तहत बेटियों को मिलने वाली राशि बढ़ाने की घोषणा की। यह राशि कैसे मिलेगी? कौन पात्र होगा? क्या पुरानी राजश्री योजना वाले भी इसके पात्र होंगे? अब तक इसके लिए आधिकारिक दिशा-निर्देश जारी नहीं हुए हैं। सूत्रों ने बताया कि अप्रैल में सरकार इस योजना की गाइडलाइन जारी कर सकती है। पहले मुख्यमंत्री राजश्री योजना के तहत बेटियों को 50 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि दी जाती थी। भजनलाल सरकार ने पिछले साल दिसंबर में इस योजना में बदलाव कर लाडो प्रोत्साहन योजना कर बेटियों को दी जाने वाली राशि को दोगुना कर दिया था। अब इस राशि को और बढ़ाकर डेढ़ लाख रुपए कर दिया है। इस योजना के तहत, अब राजस्थान में पैदा होने वाली बेटी को जन्म से लेकर 21 साल की आयु तक कुल 1.50 लाख की आर्थिक मदद 7 किस्तों में दी जाएगी। इस योजना में लाभ लेने के लिए जाति, धर्म, वर्ग या आय सीमा की कोई पाबंदी नहीं है। राजस्थान में कहीं भी जन्म लेने वाली बेटी इस योजना के तहत पात्र मानी जाएगी। एक ही शर्त है कि प्रसूता राजस्थान की मूल निवासी हो और बेटी का जन्म किसी राजकीय चिकित्सा संस्थान या जननी सुरक्षा योजना से अधिस्वीकृत प्राइवेट अस्पताल में हुआ हो। तभी जन्म लेने वाली बेटी को लाडो योजना का लाभ दिया जाएगा।

हुड़दंग-स्टंटबाजी करने वालों पर पुलिस का एक्शन, 14 युवक गिरफ्तार, 22 वाहन जब्त

जयपुर। जयपुर नॉर्थ जिला पुलिस ने स्टंट करने वाले युवकों के खिलाफ सख्त कदम उठाया है। ये लोग बाइक और कार से स्टंट कर सोशल मीडिया पर पोस्ट करते थे। 14 लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 22 वाहनों को जब्त किया है। डीसीपी वेस्ट ने बताया कि जयपुर के नॉर्थ जिले में कुछ युवकों द्वारा बिना अनुमति के बाइक और कार से स्टंट करते हुए रैली निकाली। कई थाना क्षेत्रों में हुड़दंग किया और आपत्तिजनक नारे लगाए। डर का माहौल बनाने व आमजन को परेशानी करने की जानकारी मिलने पर एडिशनल डीसीपी के सुपरविजन में एसीपी और सीआई को कार्रवाई करने के आदेश दिए। इस पर सभी थानाधिकारियों ने अपने-अपने इलाके में हुड़दंग कर स्टंट करने वाले युवकों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की। कई जगहों पर कुछ युवक स्टंटबाजी करते और आपत्तिजनक नारे लगाते नजर आए। साथ ही सोशल मीडिया पर पोस्ट डालने वाले और स्टंट करने वाले 14 युवकों को गिरफ्तार किया गया है। दो चौपहिया वाहनों और 20 बाइक-स्कूटी सहित कुल 22 वाहन जब्त किए गए हैं।

नियमों में बदलाव: हाईवे के लिए ली गई जमीन वापस लौटा सकती है सरकार

नई दिल्ली। अधिग्रहित की गई जमीन के हिस्से को मालिक को वापस करने, मुआवजा रकम तय करने की प्रक्रिया, अतिक्रमण समेत कई संशोधन शामिल किए गए हैं। मौजूदा स्थिति और भविष्य की जरूरतों के लिहाज से एक्ट में बदलाव किए जा रहे हैं। इस आशय की खबरें आ रहीं है कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग अधिनियम में कई संशोधनों की तैयारी कर रही है। रिपोर्ट के अनुसार, कैबिनेट को मंजूरी के लिए भेजे गए प्रस्तावों में कहा गया है कि अगर अधिग्रहित किए जमीन के हिस्से का 5 साल तक इस्तेमाल नहीं किया जाता है, तो उसे सरकार की तरफ से मालिकों को लौटा दिया जाएगा। साथ ही कहा गया है कि मुआवजा राशि की घोषणा के 3 महीने बाद हाईवे अथॉरिटी या जमीन के मालिक रकम को लेकर किसी भी तरह की आपत्ति नहीं जता सकेंगे। रेलवे, नागरिक उड्डयन समेत कई मंत्रालयों की तरफ से संशोधनों को लेकर टिप्पणियां दे दी गई हैं। प्रस्ताव ये भी हैं कि जमीन अधिग्रहण के लिए एक खास पोर्टल होगा, जहां नोटिस पेश हो सकेंगे और सड़क किनारे सुविधाओं, टोल और दफ्तरों के लिए जमीन का अधिग्रहण भी किया जा सकेगा।कहा जा रहा है कि राजमार्ग मंत्रालय की ओर से यह भी कहा गया है कि सरकार की तरफ से जमीन अधिग्रहण का नोटिस जारी किए जाने के बाद कोई भी अतिक्रमण नहीं कर सकेगा। ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जमीन के मालिक ज्यादा मुआवजा हासिल करने के लिए पहली अधिसूचना के बाद घर बना लेते हैं या दुकानें शुरू कर लेते हैं। इसके अलावा पहली अधिसूचना पर जमीन के बाजार मूल्य के आधार पर ही मुआवजा राशि तय होगी।

हम विस्तारवाद में नहीं, विकासवाद में विश्वास रखते हैं

›› पीएम मोदी ने यह कहते हुए न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन का किया स्वागत ›› रायसीना डायलॉग समिट के मुख्यअतिथि हैं लक्सन

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में आयोजित 10वें रायसीना डायलॉग का उद्घाटन करने से पहले न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन का गर्मजोशी से स्वागत किया हैं। मंगलवार से 19 मार्च तक चलने वाले इस तीन दिवसीय समिट में 125 देशों के प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं।

न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री लक्सन रायसीना डायलॉग के मुख्यअतिथि हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को नई दिल्ली में 10वें रायसीना डायलॉग उद्घाटन से पहले न्यूजीलैंड के पीएम लक्सन का स्वागत किया और भारत-न्यूजीलैंड संबंधों को मजबूत बनाने के लिए कई महत्वपूर्ण समझौतों की घोषणा की। यह तीन दिवसीय वैश्विक सम्मेलन 19 मार्च तक चलेगा, जिसमें 125 देशों के प्रतिनिधि शामिल हो रहे हैं। पीएम मोदी ने कहा, कि हम इंडो-पैसिफिक ओशन इनिशिएटिव से जुड़ने के लिए न्यूजीलैंड का स्वागत करते हैं। हमारा यकीन विस्तारवाद में नहीं, बल्कि विकासवाद में है।

भारत-न्यूजीलैंड के बीच कई अहम समझौते

रायसीना डायलॉग से पहले ही भारत और न्यूजीलैंड के बीच द्विपक्षीय संबंधों को लेकर कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं। इनमें आतंकवाद के खिलाफ सहयोग प्रमुख है। दोनों देशों ने आतंकवाद के खिलाफ मिलकर काम करने और आतंकवादियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने पर सहमति जताई है।

न्यूजीलैंड का भारत में निवेश- भारत में न्यूजीलैंड के निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए एक समझौता हुआ, जिससे व्यापारिक संबंध मजबूत होंगे। इसी के साथ दोनों देशों के बीच कुशल श्रमिकों को बढ़ावा देने के लिए एक करार किया गया।

शिक्षा क्षेत्र में सहयोग- इसके तहत न्यूजीलैंड की यूनिवर्सिटीज अब भारत में अपने कैंपस खोल सकेंगी, जिससे भारतीय छात्रों को वैश्विक स्तर की शिक्षा प्राप्त करने का मौका मिलेगा। शिक्षा के अलावा खेलों में साझेदारी पर जोर दिया गया है। भारत और न्यूजीलैंड ने खेलों में सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया है। कोचिंग, स्पोर्ट्स साइंस, साइकोलॉजी और मेडिसिन के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाया जाएगा। साथ ही, 2026 में दोनों देशों के बीच खेल संबंधों के 100 वर्ष पूरे होने का जश्न मनाने का फैसला लिया गया है।

रायसीना डायलॉग क्या है?

रायसीना डायलॉग की शुरुआत 2016 में हुई थी, जिसे सिंगापुर में होने वाले शांगरी-ला डायलॉग की तर्ज पर विकसित किया गया। यह एक वैश्विक सम्मेलन है, जिसमें विभिन्न देशों के विदेश मंत्री, नीति-निर्माता, विचारक और विशेषज्ञ अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा करते हैं। इस बार रायसीना डायलॉग का थीम कालचक्र - पीपुल, पीस एंड प्लैनेट है। इसमें 20 देशों के विदेश मंत्री शामिल हो रहे हैं, जिनमें यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्रई सिबिहा भी हैं। इस आयोजन का मकसद वैश्विक कूटनीति को एक नया आयाम देना और अंतरराष्ट्रीय चुनौतियों पर विचार-विमर्श करना है।

चंद्रयान-5 मिशन को केंद्र की मंजूरी: 250 किलोग्राम का रोवर ले जाएगा, चंद्रयान-3 से 10 गुना ज्यादा वजनी

बेंगलुरु।

केंद्र सरकार ने चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी दे दी है। इस आशय की जानकारी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने एक कार्यक्रम के दौरान दी है। वे बेंगलुरु में इसरो प्रमुख का पदभार संभालने के बाद रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे थे। यहां इसरो अध्यक्ष वी नारायणन ने चंद्रयान-5 मिशन के बारे में बताया कि तीन दिन पहले ही इस महत्वाकांक्षी मिशन को स्वीकृति मिली है और इसमें जापान भारत का सहयोगी होगा।

चंद्रयान-5 का भारी-भरकम रोवर

चंद्रयान-5 मिशन में 250 किलोग्राम वजन का रोवर भेजा जाएगा, जो कि चंद्रयान-3 के रोवर प्रज्ञान (25 किलोग्राम) की तुलना में 10 गुना अधिक वजनी होगा। इसका मुख्य उद्देश्य चंद्रमा की सतह का विस्तृत अध्ययन करना है।

चंद्रयान-4 मिशन पर भी तेजी से काम जारी

इसरो अध्यक्ष ने आगे बताया कि 2027 में लॉन्च किए जाने वाले चंद्रयान-4 मिशन का लक्ष्य चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के नमूने इकट्ठा कर पृथ्वी पर वापस लाना है। केंद्र सरकार ने पिछले साल सितंबर में इस मिशन को मंजूरी दी थी, जिसकी कुल लागत 2104 करोड़ रुपये अनुमानित है।

चंद्रयान-4 के मॉड्यूल और लॉन्च डिटेल्स

चंद्रयान-4 मिशन में कुल पांच अलग-अलग मॉड्यूल होंगे, जिनमें प्रथम, एसेंडर मॉड्यूल- जो चंद्रमा की सतह से नमूने एकत्र करेगा।

दूसरा, डिसेंडर मॉड्यूल- चंद्रमा पर उतरकर सैंपल कलेक्शन में मदद करेगा। तीसरा, प्रपल्शन मॉड्यूल- जो स्पेसक्राफ्ट को आगे बढ़ाने का कार्य करेगा। चौथा, ट्रांसफर मॉड्यूल- जो नमूने को होल्ड करेगा। और पॉचवां, री-एंट्री मॉड्यूल- जो चंद्रमा के नमूनों को सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाएगा।

इस मिशन के लिए दो अलग-अलग रॉकेट्स का उपयोग किया जाएगा—इसरो का हैवी-लिफ्टर एलवीएम-3 और विश्वसनीय पीएसएलवी, जो विभिन्न पेलोड को लेकर जाएंगे।

भारत के भविष्य के अंतरिक्ष मिशन

इसरो अध्यक्ष ने बताया कि चंद्रयान-5 और चंद्रयान-4 के अलावा, भारत अपने मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान और अंतरिक्ष में अपने स्वयं के स्पेस स्टेशन की स्थापना पर भी तेजी से कार्य कर रहा है। चंद्रयान-5 की मंजूरी और इसके महत्वाकांक्षी उद्देश्यों से भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमता को नई ऊंचाइयां मिलने की उम्मीद है।

श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट का फैसला, अब कोई नहीं बनेगा राममंदिर का मुख्य पुजारी

अयोध्या।

अयोध्या के राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सत्येंद्र दास का निधन के कई दिनों के बाद अयोध्या में अब कोई मुख्य पुजारी नहीं होगा। ये जानकारी श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र सचिव चंपत राय ने दी है। चंपत ने आचार्य सत्येंद्र दास के निधन के बाद नए मुख्य पुजारी की नियुक्ति पर पूछे गए सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की।

चंपत राय ने कहा कि अब कोई मुख्य पुजारी नहीं होगा क्योंकि सत्येंद्र दास की उम्र और सम्मान का कोई व्यक्ति नहीं है। राय ने रविवार को कहा कि इतने लंबे समय तक कोई और हनुमानगढ़ी का महंत नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि वे 1993 से सेवा कर रहे थे। वे 100 रुपए मासिक वेतन लेते थे। अब हर कोई युवा और नया है, कोई भी उनके जितना विद्वान नहीं है। अब, किसी को मुख्य पुजारी के रूप में संबोधित करना अतिशयोक्ति होगी।

बता दें सत्येंद्र दास एक महंत और अयोध्या राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी थे। 6 दिसंबर 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस से पहले भी वे राम मंदिर के मुख्य पुजारी थे। आचार्य सत्येंद्र दास को अयोध्या के सबसे सुलभ संतों में से एक माना जाता था और अक्सर मीडियाकर्मी अयोध्या और राम मंदिर से संबंधित घटनाक्रमों के बारे में जानकारी के लिए उनसे संपर्क करते थे। इस साल 12 फरवरी को 83 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था। ब्रेन स्ट्रोक के बाद उन्हें 3 फरवरी को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

पीएम मोदी के यूएन को अप्रासंगिक बताने पर भड़की कांग्रेस, ट्रंप की भाषा बोल रहे

नई दिल्ली ।

एक पॉडकास्ट इंटरव्यू में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आरएसएस, हिंदू राष्ट्र, महात्मा गांधी, गुजरात दंगे और निजी जिंदगी के कई सवालों के जवाब दिए। उन्होंने अमेरिका और चीन के साथ संबंधों पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि यूनाइटेड नेशन जैसे वैश्विक संगठन अब अप्रासंगिक हो रहे हैं। उन्होंने उदाहरण देकर कहा कि ये संगठन अपनी मूल जिम्मेदारियां भी नहीं निभा पा रहे हैं। उनमें कोई खास सुधार नहीं है। अब पीएम मोदी की यह बात कांग्रेस को अच्छी नहीं लगी है। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पीएम मोदी केवल डोनाल्ड ट्रंप को खुश करने के लिए बात करते हैं। वे बार-बार अपने अपने दोस्त के सुर में सुर मिला रहे हैं। उन्होंने कहा, यह ट्रंप की भाषा है। ट्रंप भी वैश्विक संस्थाओं को अप्रासंगिक बनाने का पूरा प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने कहा, क्या डब्ल्यूएचओ और डब्ल्यूटीओ भारत के लिए अच्छा नहीं है? क्या जलवायु परिवर्तन पर पैरिस का समझौता भारत के लिए सही नहीं है। तमाम कमजोरियों के बाद भी क्या यूएन ने भारतीय शांतिदूतों को मौका नहीं दिया है। उन्होंने कहा कि सुधार की गुंजाइश है, लेकिन पीएम मोदी और ट्रंप इस तरह के वैश्विक संगठनों की निंदा नहीं कर सकते। पीएम मोदी ने कहा था कि ट्रंप उनके दोस्त इसलिए हैं, क्योंकि दोनों ही अपने राष्ट्रहित को सबसे ऊपर रखते हैं। उन्होंने ट्रंप की तारीफ करते हुए कहा कि वे फैसले लेने के मामले में बहुत निडर शख्स हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव प्रचार के दौरान गोली चलने के बाद ट्रंप का जुनून और बढ़ गया। वह दूसरे कार्यकाल में पहले से भी ज्यादा तैयारी के साथ आए हैं। कांग्रेस नेता रमेश ने इंटरव्यू पर प्रधानमंत्री पर कटाक्ष किया, करीब एक साल पहले, उन्होंने खुद को नॉन-बायोलॉजिकल बताया था। अब वे कह रहे हैं कि वे 1+1 सिद्धांत में विश्वास करते हैं- एक मोदी और दूसरा दैवीय।

मंदिर पर बम फेंकने वाला आरोपी मुठभेड़ में हुआ ढेर, दूसरा फरार

अमृतसर।

पंजाब के अमृतसर स्थित मंदिर पर ग्रेनेड अटैक के आरोपी का पुलिस ने एनकाउंटर कर दिया। शुक्रवार-शनिवार की रात हुआ हमला सीसीटीवी में कैद हो गया था। पुलिस ने जब दोनों आरोपियों को रोकने की कोशिश की, तो उन्होंने पुलिस पर गोलियां चली शुरु कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी मारा गया। ग्रेनेड फेंके जाने की घटना खंडवाला क्षेत्र में हुई थी।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक मंदिर पर ग्रेनेड फेंकने का मुख्य आरोपी मारा गया है। संदिग्ध की पहचान गुरसिदक सिंह के रूप में हुई है। पुलिस की गोलीबारी में घायल होने के बाद उसने अस्पताल में दम तोड़ दिया। हालांकि, इस दौरान उसका एक अन्य साथी वहां से भागने में कामयाब हो गया है। फरार आरोपी की पहचान विशाल के रुप में हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक पुलिस ने आरोपियों के राजसांसी इलाके में घूमने की इनपुट मिलने की बात कही है। इसके बाद उन्हें हिरासत में लेने के लिए सीआईए और पुलिस की टीम तैयार की गई थी। जब पुलिस ने बाइक सवारों को रोकने की कोशिश की, तो वह वाहन छोड़कर भाग गए और पुलिस पर गोलीबारी करने लगे थे। इस दौरान कॉन्स्टेबल गुरप्रीत सिंह को बाएं हाथ पर गोली लगी। जबकि, इंस्पेक्टर अमोलक सिंह को भी गोली लगी है तो पुलिस की जवाबी कार्रवाई में इंस्पेक्टर विनोद कुमार की गोली से गुरसिदक घायल हुआ।

पंजाब पुलिस ने कहा कि उसे ठाकुरद्वार मंदिर पर हमले में पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी की भूमिका पर संदेह है और उसने दोषियों को शीघ्र पकड़ने का संकल्प लिया था। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ, लेकिन इससे अमृतसर के खंडवाला क्षेत्र के निवासियों में दहशत फैल गई थी। घटना की सीसीटीवी फुटेज में दो अज्ञात व्यक्ति बाइक पर ठाकुर द्वार मंदिर की ओर आते दिखाई दिए। कुछ सेकंड रुकने के बाद उनमें से एक व्यक्ति मंदिर की ओर कुछ विस्फोटक सामग्री फेंकता दिखता है और फिर वे मौके से भाग जाते हैं। पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि शनिवार देर रात करीब दो बजे ठाकुर द्वार मंदिर के पुजारी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी थी।

कोलकाता डॉक्टर रेप मामले में सुप्रीम कोर्ट ने दी पीड़िता के माता-पिता को हाईकोर्ट जाने की इजाजत

-कोर्ट ने नए सिरे से सीबीआई जांच के लिए निर्देश जारी करने से किया परहेज

नई दिल्ली।

आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल बलात्कार-हत्या मामले में एक नए घटनाक्रम में सुप्रीम कोर्ट ने पीड़िता के माता-पिता को कलकत्ता हाईकोर्ट जाने की अनुमति दे दी है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ता, पीड़िता के माता-पिता, कलकत्ता हाईकोर्ट के समक्ष अपनी याचिका को आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र हैं। अदालत ने इस स्तर पर नए सिरे से सीबीआई जांच के लिए कोई निर्देश जारी करने से परहेज किया और आगे के विचार के लिए कानूनी पाठ्यक्रम को राज्य न्यायपालिका को वापस भेज दिया। वरिष्ठ अधिवक्ता ने पीड़िता के परिवार का प्रतिनिधित्व किया। सीबीआई की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने एजेंसी का पक्ष रखा।

यह पूरा मामला कोलकाता स्थित चिकित्सा संस्थान के परिसर में एक ट्रेनी डॉक्टर के साथ दुष्कर्म और हत्या से जुड़ा है। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना की अगुवाई वाली पीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता, पीड़िता के माता-पिता, कलकत्ता हाईकोर्ट के सामने अपनी याचिका को आगे बढ़ाने के लिए स्वतंत्र हैं। अदालत ने इस स्तर पर नए सिरे से सीबीआई जांच के लिए कोई निर्देश जारी करने से परहेज किया और आगे के विचार के लिए कानूनी पाठ्यक्रम को राज्य न्यायपालिका को वापस भेज दिया।

बता दें इस महीने की शुरुआत में पीड़िता के लिए न्याय की मांग को लेकर कोलकाता में दो रैलियां की गई थीं। जघन्य अपराध के सात महीने पूरे होने पर नागरिक समाज के एक वर्ग द्वारा आयोजित रैलियों में 1 मार्च को विरोध प्रदर्शन के दौरान शिक्षा मंत्री ब्रत्य बसु के वाहन की चपेट में आने से जादवपुर विश्वविद्यालय परिसर में एक छात्र के घायल होने की भी निंदा की।

रैलियों में भाग लेने वालों ने मांग की कि ट्रेनी डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या में शामिल सभी लोगों को सीबीआई द्वारा न्याय के कटघरे में लाया जाए, जो कलकत्ता होईकोर्ट के आदेश पर अपराध की जांच कर रही है।

बता दें पूर्व नागरिक स्वयंसेवक संजय रॉय को डॉक्टर के जघन्य

बलात्कार और हत्या के मामले में दोषी पाए जाने के बाद सियालदह सत्र न्यायालय ने जीवित रहने तक कारावास की सजा सुनाई है। हालांकि, केंद्रीय एजेंसी मामले की जांच कर रही हैं।

पीड़िता के माता-पिता ने दावा किया है कि इस अपराध में अन्य लोग भी शामिल थे और उन्होंने मांग की है कि इस अपराध में प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से शामिल सभी लोगों को सजा दी जाए।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

हेडफोन–गेमिंग से बच्चों के बहरे होने का खतरा

(लेखक – ललित गर्ग)

टेक्नोलॉजी विकास एवं उससे जुड़े नये–नये उपकरण आधुनिक जीवनशैली को भले ही बहुत आसान कर दिया हो लेकिन इसके अनियंत्रित उपयोग से भारी परेशानियों का सामना भी करना पड़ सकता है। अक्सर देखा जाता है कि जॉब करने वाले माता–पिता अपना टाइम बचाने एवं सुविधा के लिए बच्चों को छोटी उम्र में ही फोन और हेडफोन का उपयोग करने के लिए देते हैं। लेकिन ये उपकरण उनके बच्चों के लिए कितने नुकसानदायक एवं खतरनाक हैं इसका खुलासा नये–नये अध्ययनों से सामने आ रहा है, जो चिन्ताजनक एवं डरावना है। ऐसे ही एक अध्ययन में यह आशंका जतायी गयी है कि लगातार कानों पर मोबाइल व ईयरफोन लगाने का बच्चों की श्रवण शक्ति पर नकारात्मक असर पड़ रहा है और वे बधिरता से ग्रस्त होते जा रहे हैं। रिपोर्ट की मानें तो पिछले कई महीनों में बच्चों के कानों में दर्द, सुनने में परेशानी, बधिरता और संक्रमण की शिकायतें बहुत ज्यादा आ रही हैं। वहीं डॉक्टर्स का कहना है कि इन उपकरणों के उपयोग से कानों पर काफी ज्यादा जोर पड़ता है और घंटो तक तेज आवाज सुनने से सुनने की क्षमता कमजोर पड़ जाती है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन और केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय भी इस खतरे की पुष्टि कर रहे हैं। इसीलिए अभिभावकों को सर्तक किया गया है कि बहुत अधिक स्क्रीन टाइम और गैजेट्स की तेज ध्वनि से बच्चों की रक्षा करें। दरअसल, डब्ल्यूएचओ की दक्षिण पूर्व एशिया की निदेशक साइमा वाजेद ने कहा है कि दुनिया में 1.40 अरब लोग इस संकट से प्रभावित हुए हैं। जिसमें 40 करोड़ लोग दक्षिण पूर्व एशिया में बधिरता से ग्रस्त हो रहे हैं। एक अध्ययन के अनुसार वर्ष 2050 तक 1.6 अरब लोग बधिरता से प्रभावित हो सकते हैं। जिनमें अधिकांश लोग मध्यम व कम आय वर्ग के होंगे। यूं तो साठ साल के बाद सुनने की क्षमता प्राकृतिक रूप से कम हो जाती है, लेकिन हाल के वर्षों में लगातार कानों में ईयरफोन आदि लगाने से यह संकट बच्चों एवं युवाओं में बढ़ता जा रहा है। खासकर वे बच्चे एवं युवा जो लगातार लेपटॉप व मोबाइल पर गेमिंग व अन्य कार्यक्रम तेज आवाज में घंटों सुनते रहते हैं। पहले कम सुनने की समस्या दिखायी देती है और कालांतर में यह समस्या बहरेपन में तब्दील हो जाती है। दरअसल, कानों पर तकनीकी शोर का इतना अधिक दबाव बढ़ गया है कि बच्चे एवं युवा अपनी सुनने की प्राकृतिक क्षमता खोने लगे हैं। जो एक विश्वव्यापी आसन्न गंभीर संकट को ही दर्शाता है, इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो बहरों की दुनिया बनने से रोकना मुश्किल हो जायेगा।

विज्ञान के अनुसार, हमारे कानों के सुनने की क्षमता निर्धारित है। हमारे कानों के लिए 40 से 60 डेसिबल सुनने की क्षमता निर्धारित की है जो सही है, लेकिन इससे ऊपर यानी 85 से 100 डेसिबल साउंड कानों के लिए खतरनाक है। यूं तो बहरापन उम्र के साथ आता है लेकिन पिछले कुछ दशकों में कम सुनाई देने यानी बहरेपन की समस्या तेजी से युवाओं और बच्चों को अपना शिकार बना रही है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जाहिर की है। युवाओं एवं बच्चों में बढ़ते मोबाइल एवं ईयरफोन के प्रचलन एवं तेज आवाज में गाने एवं संगीत सुनने की लत से पिछले कुछ सालों में बहरेपन का संकट बढ़ता जा रहा है। आंकड़ों की बात करें तो पिछले दशकों में दुनिया में 3.4 करोड़ से अधिक बच्चों में कम सुनाई देने की क्षमता के केस सामने आए हैं। यह दुनिया की एक भयावह एवं चुनौतीपूर्ण समस्या की ओर बढ़ने का संकेत है, एक पूरी पीढ़ी के बहरे होने की चुनौती को खड़ा कर रहा है। विडंबना यह है कि जीवनशैली में नित–नये आ रहे बदलावों तथा शिक्षा कार्यों के लिये ऑनलाइन रहने की दलील ने बच्चों को मोबाइल–लेपटॉप–ईयरफोन का आदी बना दिया है। तेज आवाज का संगीत व तरह–तरह के कंसर्ट बच्चों को लुभाते हैं। ऐसे में अभिभावक बच्चों को इस संकट की भयावहता से अवगत कराएं तथा समय–समय पर उनके कानों का चेकअप कराते रहें। कोशिश हो रचनात्मक तरीके से उनकी इस आदत को बदलने का प्रयास किया जाए।

हेल्थ एक्सपर्ट का कहना है कि सामान्य तौर पर 60 साल के बाद लोगों में सुनने की क्षमता कम होने लगती है। लेकिन जिस तरह की जीवनशैली आज के युवा एवं बच्चे अपना रहे हैं, उससे कम उम्र में ही ये क्षमता कमजोर हो रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह ईयरफोन और हैडफोन को बताया जा रहा है। नए जमाने में हैडफोन और ईयरफोन भले ही काफी उपयोगी हों लेकिन इनका ज्यादा इस्तेमाल करने से युवा एवं बच्चें बहरेपन के रिस्क में आ रहे हैं। माना जा रहा है कि जितने ज्यादा डेसिमल में हेडफोन यूज किया जाएगा, उतना ही ज्यादा कानों को नुकसान होगा। जिस तरह से आजकल के युवा एवं बच्चे हैडफोन और ईयरफोन का ज्यादा इस्तेमाल कर रहे हैं, उससे उनके कान तेज आवाज के संपर्क में लगातार रहते हैं और इससे कान की नाजुक मांसपेशियों को नुकसान पहुंच रहा है एवं बेहरेपन की समस्या उग्र से उग्रतर होती जा रही है।

दरअसल, सबसे बड़ा संकट यह है कि आज मोबाइल फोन, लेपटोप, हैडफोन और ईयरफोन एक आवश्यक बुराई बन चुका है। आज नई पीढ़ी इस संबंध में मां–बाप एवं शिक्षकों की नसीहतों एवं हिदायतों पर ध्यान कम ही देती है। ऐसे में स्कूल–कालेजों में शिक्षकों व सामाजिक अभियानों से जुड़े लोगों को जागरूकता अभियान चलाने की जरूरत है। सरकार भी इसके लिये जागरूक करें। विभिन्न सूचना माध्यमों और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों से बच्चों को जागरूक करने के लिये मुहिम चलाने का कुछ लाभ जरूर मिल सकता है। लेकिन विडंबना यह है कि हरदम कानों पर मोबाइल व ईयरफोन तथा बड्स आदि लगाना स्टेटस सिंबल बन गया। व्यक्ति खुद व्यस्त होने का दिखावा करता रहता है। वैसे भी महानगरों व भीड़भाड़ वाले इलाकों में ध्वनि प्रदूषण लगातार बढ़ता जा रहा है। जिसके खतरों को लेकर समाज में जागरूकता के प्रचार–प्रसार की सख्त जरूरत होती है। बच्चों को लेकर अभिभावकों व शिक्षकों की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है, क्योंकि उनके लंबे जीवन पर बहरेपन का संकट मंडराने का खतरा बढ़ता ही जा रहा है। आधुनिक सुनने के उपकरणों एवं तेज़ आवाज़ से कान की नसों और हियरिंग सेल्स को नुकसान हो सकता है, जिससे बहरापन भी हो सकता है। एक समय था जब कम सुनाई देने की शिक़ायत बुज़ुर्ग किया करते थे, लेकिन बदलती जीवनशैली के कारण कम उम्र में भी लोगों में यह समस्या होने लगी है। स्वस्थ जीवनशैली अपनाने से सुनने की क्षमता को बेहतर बनाया जा सकता है

मानव जीवन में सुनने की क्षमता का अक्षुण्ण रहना जीवन की परिपूर्णता का परिचायक है। इस सचाई को नहीं नकारा जा सकता कि श्रवण यानी सुनने की क्षमता जीवन को नया आकार देने, मानसिक दरिद्रता का निवारण करने तथा ऊंचे ध्येय की पूर्ति हेतु आगे बढ़ने की सही चाबी है। जैसे दवा रोग नाशक होती है, पर गलत दवा के सेवन से रोग घटने की अपेक्षा अधिक बढ़ जाता है, वैसे ही गलत जीवनशैली, गलत तरीको से जीने, गलत तरीके से सुनने की क्षमता का उपयोग करने, अनियंत्रित शोर–शराबे को सुनने से जीवन में विकृतियां एवं परेशानियां घुस जाती है और अनेक तरह के श्रवण रोगों का हमला होने लगता है। इसलिये सुनने की क्षमता का सम्यक् उपयोग जरूरी है। देखना और सुनना– ये दोनों ही जीवन–विकास एवं ज्ञान–वृद्धि के माध्यम है। पर सुनना अधिक शक्तिशाली साधन है, क्योंकि आंखों में जो दृश्य प्रतिबिम्बित होते हैं, वे तात्कालिक होते हैं। श्रवण–पथ से ही हम ज्ञान के साथ–साथ दीर्घकालिक अनुभवों को आत्मसात कर सकते हैं। इसलिये श्रवण–पथ या सुनने की क्षमता पर हो रहे हमलों को हम गंभीरता से ले अन्यथा सुनने की पंगुता हमारे जीवन का अभिशाप बन सकती है।

(लेखक, पत्रकार एवं स्तंभकार)

(यह लेखक के व्य क्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

विज्ञान के अनुसार, हमारे कानों के सुनने की क्षमता निर्धारित है। हमारे कानों के लिए 40 से 60 डेसिबल सुनने की क्षमता निर्धारित की है जो सही है, लेकिन इससे ऊपर यानी 85 से 100 डेसिबल साउंड कानों के लिए खतरनाक है। यूं तो बहरापन उम्र के साथ आता है लेकिन पिछले कुछ दशकों में कम सुनाई देने यानी बहरेपन की समस्या तेजी से युवाओं और बच्चों को अपना शिकार बना रही है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जाहिर की है। युवाओं एवं बच्चों में बढ़ते मोबाइल एवं ईयरफोन के प्रचलन एवं तेज आवाज में गाने एवं संगीत सुनने की लत से पिछले कुछ सालों में बहरेपन का संकट बढ़ता जा रहा है।

संपादकीय

शर्मसार हैं हम

कर्नाटक के हंपी में इस्राइली पर्यटक समेत दो महिलाओं के साथ गैंगरेप की घटना का मामला ठंडा भी नहीं पड़ा था कि दिल्ली में एक ब्रिटिश पर्यटक से दुराचार का घृणित मामला सामने आया है। निश्चय ही यह देश की छवि को धूमिल करने वाला कृत्य है। हंपी की घटना तो भयावह थी, जिसमें रात में कैंपिंग कर रहे तीन पर्यटकों को नहर में फेंक दिया गया और तीन अपराधियों ने इस्राइली महिला व एक भारतीय महिला से सामूहिक दुष्कर्म किया। दोनों महिलाओं को अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहीं नदी में फेंके गए एक पर्यटक की मौत हो गई, जिसका शव बरामद कर लिया गया। पर्यटकों में एक अमेरिकी व दो भारतीय थे। बदमाशों ने न केवल दुष्कर्म किया बल्कि मारपीट व लूटपाट भी की। हालांकि, तीनों अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है, लेकिन देश की प्रतिष्ठा को जो आंच आई है, उसकी क्षतिपूर्ति संभव नहीं। विदेशों में भारत की छवि यौन अपराधियों के चलते लगातार खराब हो रही है। गाहे–बगाहे सुनसान पर्यटक स्थलों पर यौन दुर्व्यवहार की घटनाएं अक्सर सुनने को मिलती हैं। वहीं दूसरी ओर दिल्ली के एक होटल में एक ब्रिटिश पर्यटक के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया। एक युवक ने सोशल मीडिया पर दोस्ती करके भारत घूमने आई ब्रिटिश महिला को दिल्ली बुलाया और एक होटल में दुष्कर्म किया। इस मामले में ब्रिटिश दूतावास ने संज्ञान लिया है। बहुत संभव है कि विदेशी सरकारें भारत आने वाले पर्यटकों को लेकर कोई नकारात्मक एडवाइजरी जारी करें। हाल के दिनों में भारत में यौन अपराधों की बाढ़–सी आई हुई है। न केवल विदेशियों बल्कि भारतीय महिलाओं के साथ घृणित यौन अपराधों की तमाम घटनाएं प्रकाश में आ रही हैं। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि इस नैतिक पराभव का कारण क्या है। कहीं न कहीं ये जीवन मूल्यों में क्षरण का भी परिचायक है। दरअसल, इंटरनेट और कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अश्लील सामग्री की बाढ़–सी आई हुई है। देश का युवा उसकी चपेट में आकर भटकाव की राह में बढ़ रहा है। सामाजिक स्तर पर संयुक्त परिवारों के बिखराव से भी यह संकट और बढ़ा है। गांव व शहर में पहले सामाजिक संरचना मनुष्य को संयमित व मर्यादित जीवन जीने को बाध्य करती थी। हमारी शिक्षा व्यवस्था से नैतिक शिक्षा की कमी भी अखरती है। दरअसल, सोशल मीडिया पर ऐसे कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया जा रहा है जो पश्चिमी जीवन शैली की तर्ज पर स्वच्छंद यौन व्यवहार को प्रोत्साहित करते हैं। जिसे युवा सामान्य जीवन में स्वच्छंदता का पर्याय मानने लगा है। कहीं न कहीं महानगरीय संस्कृति में नई पीढ़ी पर परिवार संस्था की ढीली होती पकड़ भी इन अपराधों के मूल में है। समाज विज्ञानियों को आत्ममंथन करना होगा कि यौन अपराधों को लेकर सख्त कानून बनने के बावजूद इस आपराधिक प्रवृत्ति पर अंकुश क्यों नहीं लग पा रहा है। इस दिशा में सरकार, समाज व परिवार को गंभीरता से मंथन करना होगा। अन्यथा भारत यौन अपराधों की राजधानी बनने में देर नहीं लगेगी।

प्रसिद्धि की बैसाखी बनता साहित्य में चौर्यकर्म

(लेखक––डॉ. सत्यवान सौरभ)

हरियाणा के एक लेखक द्वारा राज्य गान के रूप में एक गीत के चयन को लेकर हाल ही में एक बहस छिड़ी है, जिस पर साहित्यिक चोरी का आरोप लगाया गया है। अन्य लेखकों ने इस मामले पर अपनी चिंता व्यक्त की है और इसे राज्य के मुख्यमंत्री के ध्यान में लाया है। इस स्थिति ने साहित्यिक चोरी के साथ–साथ आज साहित्य के सामने आने वाले अवसरों और चुनौतियों के बारे में नए सिरे से बातचीत शुरू कर दी है। साहित्यिक चोरी और कॉपी–पेस्ट का मुद्दा हिंदी साहित्य में भी बढ़ रहा है, खासकर डिजिटल युग में, जहां लेख, कविताएं और कहानियां ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध हैं। किसी अन्य लेखक के काम को बिना उचित श्रेय दिए या केवल मामूली बदलाव करके कॉपी करना साहित्यिक चोरी का एक स्पष्ट उदाहरण है। यह प्रवृत्ति न केवल लेखकों के अधिकारों का उल्लंघन करती है बल्कि मौलिकता और रचनात्मकता को भी कमजोर करती है।

साहित्यिक चोरी साहित्यिक क्षेत्र में एक बड़ी चुनौती बन गई है, जहाँ एक लेखक के विचारों, शब्दों या रचनाओं पर दूसरे लेखक द्वारा उचित स्वीकृति के बिना दावा किया जाता है। यह कृत्य न केवल साहित्यिक नैतिकता का उल्लंघन करता है बल्कि सच्चे लेखक की मौलिकता और रचनात्मकता को भी कमज़ोर करता है। कॉपी–पेस्ट करने का मुद्दा हिंदी साहित्य में तेज़ी से प्रचलित हो रहा है, खासकर इस डिजिटल युग में, जहाँ लेख, कविताएँ और कहानियाँ ऑनलाइन आसानी से उपलब्ध हैं। साहित्यिक चोरी में किसी और के साहित्य को बिना श्रेय दिए लेना या उसमें मामूली बदलाव करके उसे अपना बताकर पेश करना शामिल है। यह व्यवहार मूल लेखकों के अधिकारों का उल्लंघन करता है और रचनात्मकता और मौलिकता को दबाता है। कुछ व्यक्ति इस हद तक चले जाते हैं कि वे दूसरों के साहित्य को अपना बता देते हैं। साहित्यिक चोरी के एक रूप में कहानी के पात्रों को बदलना और उसे मूल रचना के रूप में विपणन करना शामिल है। इस कुकृत्य में ऐसे लोग भी हैं जो स्थापित लेखकों की प्रसिद्ध कृतियों को अपनी कृति के रूप में प्रस्तुत करते हैं, तथा अक्सर साहित्यिक क्षेत्र में मान्यता और प्रसिद्धि पाने की कोशिश करते हैं।

साहित्यिक चोरी तब होती है जब कोई व्यक्ति किसी दूसरे लेखक के शब्दों को बिना अनुमति या उचित श्रेय दिए अपने शब्दों के रूप में प्रस्तुत करता है। इसमें वे स्थितियाँ भी शामिल हैं जहाँ कोई लेखक बिना उचित उद्धरण के अपने पहले से प्रकाशित साहित्यिक काम का पुनः उपयोग करता है। इसके अतिरिक्त, यदि कोई व्यक्ति मूल विचारों और संरचना को बरकरार रखते हुए किसी दूसरे की सामग्री में मामूली बदलाव करता है, तो उसे भी साहित्यिक चोरी माना जाता है। यह समस्या विभिन्न समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में प्रचलित है, और दुर्भाग्य से, यह आज भी जारी है। साहित्यिक चोरी के कई रूप हैं, और यहाँ तक कि दोहराव को भी रचनात्मक चोरी के रूप में देखा जा सकता है। उदाहरण के लिए, कई हिंदी लेखक होली या दिवाली जैसे त्योहारों के दौरान विभिन्न प्रकाशनों में अपनी रचनाएँ पुनः प्रकाशित करते हैं। एक मजबूत समीक्षा संस्कृति की कमी ने साहित्यिक चोरी को साहित्य का एक परेशान करने वाला पहलू बना दिया है। आजकल, कोई भी किसी रचना को उसे बिना किसी जाँच के प्रकाशित करवा सकता है, जिससे ऐसी स्थिति बन जाती है जहाँ मूल लेखक ठगे रह जाते हैं। निजी पाठ्यक्रमों के लिए प्रसिद्ध लेखकों की कृतियाँ लेना और उन्हें अपने नाम से प्रकाशित करना आम बात हो गई है। इस व्यवहार को खत्म करने के लिए केवल आलोचना ही अपर्याप्त लगती है। साहित्यिक चोरी सिर्फ़ नए लेखकों या प्रसिद्धि चाहने वालों की ही बैसाखी नहीं है; यहाँ तक कि स्थापित हिंदी लेखक भी दूसरों की रचनाओं में थोड़ा–बहुत बदलाव करके उन्हें अपना बता देते हैं। साहित्यिक चर्चाओं में साहित्यिक चोरी के कई उदाहरण सामने आए हैं, जिनमें कुछ लेखकों पर प्रसिद्ध पुस्तकों के अंशों को अपनी रचनाओं में शामिल करने का आरोप लगाया गया है, जिससे अंततः उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचा है।

किसी अन्य लेखक के काम या विचारों का उपयोग करते समय, उचित श्रेय देना आवश्यक है। अपने स्वयं के विचारों और शैली को व्यक्त करके मौलिक लेखन को अपनाएँ, यह सुनिश्चित करें कि हिंदी साहित्य में नए दृष्टिकोण और रचनात्मकता पनपे। दूसरों के काम की अनजाने में नकल करने से बचें। हिंदी लेखकों को अपनी बौद्धिक संपदा की रक्षा के लिए अपनी रचनाओं के लिए कॉपीराइट सुरक्षित करना चाहिए। साहित्यिक नैतिकता को बनाए रखें, और लेखकों और पाठकों दोनों को मौलिकता की वकालत करते हुए साहित्यिक चोरी के खिलाफ एकजुट होना चाहिए। साहित्यिक चोरी के खिलाफ लड़ाई में आलोचक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। अफसोस की बात है कि प्रकाशन उद्योग में कई संपादक साहित्य की बारीकियों को पूरी तरह से नहीं समझ पाते हैं। ऐतिहासिक संदर्भ की समझ की यह कमी इस मुद्दे की विडंबना को और बढ़ा देती है। मौलिक साहित्यिक कृतियों का प्रभावी ढंग से मूल्यांकन करने के लिए, स्तंभों या पत्रिकाओं के संपादक के रूप में काम करने वाले किसी भी व्यक्ति के पास साहित्य में मजबूत आधार और ज्ञान होना चाहिए। हिंदी साहित्य में साहित्यिक चोरी और कॉपी–पेस्ट की बढ़ती समस्या चिंताजनक है, लेकिन इससे निपटने के लिए प्रभावी उपाय किए जा सकते हैं। साहित्य की विशिष्टता को बनाए रखने और लेखकों के अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूकता को बढ़ावा देना और नैतिक मानकों का पालन करना आवश्यक है। साहित्यिक कृतियों में मौलिकता सुनिश्चित करके हम हिंदी साहित्य के उज्ज्वल भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं।

साहित्यिक चोरी लेखकों की ईमानदारी को कमजोर करती है और साहित्यिक रचनाओं की प्रामाणिकता को कम करती है। साहित्यिक दुनिया में नवाचार को बढ़ावा देने और स्वतंत्र अभिव्यक्ति को प्रोत्साहित करने के लिए मौलिकता को संरक्षित करना महत्वपूर्ण है। इसलिए, सभी लेखकों को नैतिक प्रथाओं को बनाए रखते हुए अपने काम को रचनात्मक और मौलिक बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए।

(चिंतन-मनन)

ईश्वर को पाने के लिए प्रेम मार्ग से गुजरना होगा

प्रेम शक्ति भी है और आसक्ति भी। जब व्यक्ति का प्रेम कामना रहित होता है तो यह शक्ति होती है और जब प्रेम में किसी चीज को पाने का लोभ रहता है तो यह आसक्ति बन जाती है। सच्चा प्रेम वह होता है जो प्रेम में किसी प्रकार का लोभ और किसी चीज को पाने की कामना नहीं रखता है। ऐसा व्यक्ति प्रेम में ऐसा कमाल कर जाता है कि, बड़े से बड़े बलवान और धनवान उसके आगे घुटने टेक देते हैं। मीराबाई को दिया गया जहर असरहीन होना। ध्रुव को पहाड़ की चोटी से गिराने पर भी बच जाना, प्रह्लाह का आग के शोलों में भी मुस्कुराते हुए रहना और तुलसीदास का उफनती नदी को पार कर जाना यह प्रेम की शक्ति का उदाहरण है। संतजन कहते हैं कि जिसके हृदय में सच्चा प्रेम होता है वही व्यक्ति ईश्वर का भक्त हो सकता है। जरूरत है बस प्रेम की चाहे वह पैसे से हो, किसी स्त्री से, बच्चे से या अन्य सांसारिक वस्तुओं से। अगर हृदय में प्रेम होगा ही नहीं तो ईश्वर क्या संसार में किसी चीज से लगाव हो ही नहीं सकता। भगवान से प्रेम करना वास्तव में उसी प्रकार है जैसा एक दिशाहीन गाड़ी को सही दिशा देना। संत श्री गोकुलनाथ जी ने कहा है कि जिसके हृदय में प्रेम का अंकुर होता है उस व्यक्ति को भक्ति की ओर प्रेरित किया जा सकता है, क्योंकि प्रेम का वृक्ष तभी उग सकता है जब प्रेम का बीज, प्रेम का अंकुर हृदय में मौजूद हो। बिना बीज के खेती भला कैसे हो सकती है।

इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार संत श्रीगोसाईं गोकुलनाथ जी के यहां एक धनवान व्यक्ति बहुत सारा धन लेकर शिष्य बनने की कामना से आया। गोसाईं जी ने उस व्यक्ति से पूछा कि क्या तुम्हारा कहीं किसी वस्तु पर ऐसा स्नेह है, जिसके बिना तुम्हारा मन व्याकुल हो जाता हो। उस व्यक्ति ने उत्तर दिया मेरा कहीं किसी वस्तु में तनिक भी स्नेह नहीं है। उत्तर सुनकर गोसाईं जी ने कहा कि फिर तो हम तुम्हें दीक्षा कदापि नहीं दे सकते। तुम किसी और गुरू को ढूंढ लो। भक्तिमार्ग में प्रेम ही प्रधान है। व्यक्ति का जो प्रेम संसार से होता है, दीक्षा शिक्षा से उसी को पलटकर भगवान में लगा दिया जाता है। जब तुम्हारे हृदय में कहीं प्रेम है ही नहीं तो भगवान के प्रेम से भला कैसे सराबोर हो सकते है।

विचार मंथन

आलोचना ही लोकतंत्र की आत्मा है - मोदी

(लेखक – सनत जैन)

भारत के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र मोदी ने हाल ही में अमेरिका के पॉडकासटर लैक्स फिडमैन को 3 घंटे से ज्यादा का इंटरव्यू देकर सारी दुनिया का ध्यान अपनी और आकर्षित कर लिया है। पहली बार एक विदेशी पॉडकास्टर को जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बेबाकी के साथ जवाब दिया है। उसको लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की चर्चा सारी दुनिया के देशों में होना तय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिना किसी झिझक के गोधरा, गुजरात, चीन, अमेरिका, लोकतंत्र, रूस–यूक्रेन के युद्ध तथा भारत–पाकिस्तान के संबंधों पर खुलकर बात की है। उसको देखते हुए यह कहा जा सकता है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपनी एक नई छवि विश्व भर में बनाना चाहते हैं। उसके लिए उन्होंने 3 घंटे से ज्यादा का समय का साक्षात्कार देकर सभी अनछुए पहलुओं को उजागर करने का काम किया है। यह इन्टरव्यू दु निया के कई देशों में कई भाषाओं में प्रसा रित किया जाएगा। जो मोदी की अंतर्राष्ट्रीय छ बि को बेहतर बनाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा उनकी ताकत भारत के 140 करोड़ नागरिक हैं। वैदिक संस्कृति और विरासत उनकी सबसे बड़ी ताकत है। उन्होंने कहा आलोचना ही लोकतंत्र की आत्मा है। वह हर किस्म की आलोचना को स्वीकार करते हैं। गोधरा कांड के बाद हुए नरसंहार को लेकर जिस तरह से उन्होंने अपने आपको निर्दोष बताया, न्यायपालिका ने भी उन्हें निर्दोष माना, यह मोदी जी की सबसे दुखती नस थी, जिस पर उन्होंने खुलकर जवाब देकर एक नई छवि बनाने की कोशिश की है। वर्तमान संदर्भ में रूस और यूक्रेन युद्ध को लेकर उन्होंने जो बात कही। युद्ध भूमि से कोई निष्कर्ष नहीं निकलता है। किसी भी समस्या का समाधान केवल बातचीत से ही निकल सकता है। उन्होंने एक विश्व गुरु की तरह अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा, जब–जब युद्ध हुए हैं, सारी दुनिया को विनाश और नुकसान ही झेलना पड़ा है। उन्होंने अपने आप को शांति का पक्षधर बताया। इन्टरव्यू में मोदी ने अपनी एक नई छवि निर्मित करते हुए कहा वह हमेशा से संघर्ष, अशांति और निरंतर आतंक के खिलाफ काम करते रहे हैं। दुनिया भर के दशों और भारत में उनकी समय–समय पर आलोचना भी हुई है। उन्होंने कहा मैंने हर आलोचना का स्वागत किया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का या इंटरव्यू रविवार को प्रकाशित हुआ। उसके बाद से इसकी बड़ी चर्चा भारत में हो रही है प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पिछले कई महीनो से लगातार व्य क्तिगत हमले हो रहे हैं। वैश्विक स्तर पर भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि नकारात्मकता की बन रही है। ऐसे समय पर प्रधानमंत्री का यह इंटरव्यू प्रायोजित बताया जा रहा है जिसमें प्रश्न भी पहले से ही तैयार थे? उत्तर भी तैयार करके दिए गए थे। पिछले 2 महीने से जिस तरह से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चुनौतियां मिल रही है। उनकी विश्व गुरु की व्यक्तिगत छवि को लगातार नुकसान पहुंचाया जा रहा था। इस इंटरव्यू के माध्यम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक नई छवि बनाने की कोशिश के रूप में इसे देखा जा रहा है। भारत के मीडिया से प्रधानमंत्री दूरी बनाकर रखते हैं। भारतीय मीडिया में भी जिन लोगों को वह इंटरव्यू देते हैं, वह भी प्रायोजित इंटरव्यू की तरह ही होते हैं। इस इंटरव्यू से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की छवि किस रूप में निखरकर सामने आएगी, अभी यह कहना मुश्किल है। इंटरव्यू जिसने भी देखा और सुना, उसके मन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति एक नई धारणा और एक नई छवि जरूर देखने को मिली है। पर उपदेश कुशल बहुतेरे की तर्ज पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जो बोलते हैं। वैसा होता हुआ लोगों को पिछले 11 वर्षों में नहीं दिखा है। भारत में उनकी छ बि के लिए विश्वसनीयता का संकट है। जो विश्वास पहले उनके प्रति लोगों में था, वह अब देखने को नहीं मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय जगत में एक विश्व गुरु के रूप में उनकी छ वि पिछले कुछ वर्षों में बनाई गई थी। डोनाल्ड ट्रंप के दूसरी बार अमे रिका के राष्ट्रपति चुने जाने के बाद मोदी की पहले वाली विश्व गुरु की छवि को बड़ा धक्का लगा है। अमेरिकी पॉडकासटर प्रधानमंत्री मोदी की कितनी छवि अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर बन पाएगी इसका पता आने वाले समय में लगेगा। बहरहाल यह इंटरव्यू देश और दुनिया में चर्चा का विषय बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 11 वर्षों में बड़े–बड़े दावे किये हैं। राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर बड़े–बड़े सपने दिखाये हैं। 11 वर्षों का उनका शासन है। कथनी और करनी के बीच इन्टरव्यू की विश्वसनीयता कसौटी में जरुर कसी जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत से स्मार्टफोन निर्यात वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड स्तर पर

- अमेरिका बना सबसे बड़ा खरीदार

नई दिल्ली। भारत से तकनीकी उत्पादों की निर्यात में एक नया इतिहास रच दिया गया है, जैसे कि स्मार्टफोन निर्यात वित्त वर्ष 2024-25 के पहले 11 महीनों में 1.75 लाख करोड़ (21 अरब डॉलर) के साथ एक नया रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है। इस आंकड़े से स्वतंत्र अनुमानों को भी मात देने वाले हैं। वित्त वर्ष के अब तक के आंकड़ों के अनुसार, देश ने इस स्थिति को एक साफ संकेत के रूप में देखा है कि उत्पादन और निर्यात मोबाइल फोन क्षेत्र में तेजी से विकसित हो रहे हैं। स्मार्टफोन निर्यात में एप्पल का महत्वपूर्ण योगदान भी बताया गया है, जिसमें आईफोन का योगदान लगभग 70 फीसदी रहा है। भारत सेल्युलर एंड इलेक्ट्रॉनिक्स एसोसिएशन के मुताबिक यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों से 54 फीसदी अधिक है। समृद्धि के माध्यम से देश ने पहचान बनाने के लिए नए दरवाजे खोल दिए हैं और उत्पादन के क्षेत्र में नए संभावित अवसरों का पूरा फायदा उठाने की प्रेरणा मिली है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही में स्मार्टफोन निर्यात में एक और उच्च स्तर पर पहुंच गया है, जो` वित्त वर्ष 24 की पहली तिमाही की तुलना में 30 फीसदी अधिक है। इस स्मार्टफोन क्षेत्र में नए आंकड़ों और रिकॉर्डों के साथ, भारत ने एक बेमिसाल कामयाबी दर्ज की है। इसमें अमेरिका और यूरोप के समृद्ध विकसित बाजारों के लिए उसकी मान्यता का प्रमाण मिला है। स्मार्टफोन उत्पादन और निर्यात में भारत की महत्वपूर्ण भूमिका एक सफर की शुरुआत करती है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में और भी अधिक उत्साह और मिलानबद्धता लाने के लिए पूरी तरह से तैयार है। देश ने इस स्थिति में अपने भविष्य के लिए एक मजबूत और विश्वसनीय प्रस्तावक प्रदर्शित किया है।

एचसीसी-टाटा प्रोजेक्ट्स को 2,191 करोड़ का ठेका मिला

नई दिल्ली ।

हिंदुस्तान कंस्ट्रक्शन कंपनी ने टाटा प्रोजेक्ट्स के साथ साझेदारी में मध्य प्रदेश मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एमपीएमआरसीएल) से 2,191 करोड़ रुपये का ठेका प्राप्त किया है। कंपनी ने कहा कि 2,191 करोड़ रुपये का यह ठेका एमपीएमआरसीएल के लिए भूमिगत सुरंगों और स्टेशनों सहित 8.65 किलोमीटर लंबे गलियारे के निर्माण के लिए है। संयुक्त उद्यम में एचसीसी की 55 फीसदी हिस्सेदारी है। बयान के अनुसार पैकेज आईएन-05आर 31.32 किलोमीटर लंबी इंदौर मेट्रो चरण-1 परियोजना का एकमात्र भूमिगत खंड है। बयान में कहा गया कि इस हिस्से में सुरंग खोदने की मशीन (टीबीएम) से 11.32 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण और इंदौर रेलवे स्टेशन, राजवाड़ा, छोटा गणपति, बड़ा गणपति, रामचंद्र नगर, बीएसएफ/कलानी नगर और एयरपोर्ट पर सात भूमिगत स्टेशनों का निर्माण शामिल है।

मारुति सुजुकी अप्रैल से वाहनों की कीमतें बढ़ाएगी

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया ने सोमवार को कहा कि वह अप्रैल से अपने वाहनों की कीमतों में चार प्रतिशत तक की बढ़ोतरी करेगी। देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि कच्चे माल की बढ़ती लागत और परिचालन व्यय के मद्देनजर उनसे अप्रैल से अपनी कारों की कीमतों को बढ़ाने का फैसला किया है। मारुति सुजुकी ने बताया कि कीमत में चार प्रतिशत तक की वृद्धि होगी और यह मॉडल के आधार पर अलग-अलग होगी। कंपनी ने कहा कि हालांकि लागत बढ़ने के असर को घटाने और ग्राहकों पर इसके प्रभाव को कम करने का प्रयास लगातार किए जा रहे हैं, लेकिन बढ़ी हुई लागत का कुछ हिस्सा ग्राहकों पर डालने की जरूरत पड़ सकती है। मारुति सुजुकी घरेलू बाजार में शुरुआती स्तर की ऑल्टो के-10 से लेकर इनविक्टो तक के मॉडल बेचती है। कंपनी ने जनवरी में एक फरवरी से विभिन्न मॉडलों की कीमतों में 32,500 रुपये तक बढ़ोतरी की घोषणा की थी।

फरवरी में थोक महंगाई दर बढ़कर 2.38 फीसदी हुई

जनवरी में थोक महंगाई दर 2.31 फीसदी थी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार फरवरी 2025 में थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित महंगाई दर बढ़कर 2.38 फीसदी हो गई, जो जनवरी 2025 में 2.31 फीसदी थी। यह वृद्धि खाद्य पदार्थों और ईंधन की बढ़ती कीमतों के कारण हुई है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अनुसार, खाद्य वस्तुओं की महंगाई में तेजी आई, जिससे थोक महंगाई दर में बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, विनिर्मित उत्पादों और कुछ अन्य वस्तुओं की कीमतों में स्थिरता बनी रही। आधिकारिक बयान में कहा गया है कि 2025 के पहले महीने में महंगाई मुख्य रूप से खाद्य उत्पादों, खाद्य वस्तुओं, अन्य विनिर्माण, गैर-खाद्य वस्तुओं और वस्त्रों के विनिर्माण आदि की कीमतों में वृद्धि के कारण हुई। वहीं दूसरे महीने खाद्य महंगाई में गिरावट देखने को मिली है। डब्ल्यूपीआई खाद्य सूचकांक द्वारा मापी गई खाद्य में थोक महंगाई दिसंबर में 8.89 प्रतिशत से घटकर जनवरी में 7.47 फीसदी हो गई थी, जो अब फरवरी महीने में उससे भी कम होकर 5.94 फीसदी पर आ गई है। फरवरी में प्राइमरी आर्टिकल की महंगाई जनवरी के 4.69 प्रतिशत से घटकर 2.81 प्रतिशत हो गई। इस बीच ईंधन और बिजली की थोक कीमतों में पिछले महीने 0.71 प्रतिशत की कमी आई, जबकि जनवरी में इसमें 2.78 प्रतिशत की कमी आई थी। मैन्युफैक्चरिंग प्रोडक्ट की कीमतों में फरवरी में

2.86 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले महीने इसमें 2.51 प्रतिशत की तेजी आई थी। इस महीने की शुरुआत में केंद्र द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार भारत की खुदरा महंगाई फरवरी में सात महीने के निचले स्तर 3.61 फीसदी पर आ गई, जो जनवरी में 4.31 फीसदी थी।

ग्राहकों के लिए कावासाकी ने पेश किया शानदार ऑफर

नईदिल्ली । ग्राहकों के लिए कावासाकी कंपनी ने अपनी लोकप्रिय बाइक्स निंजा 300, निंजा 500, एलिमिनेटर 500 और निंजा 650 पर 70,000 रुपये से 1.25 लाख रुपये तक की छूट देने की घोषणा की है। स्पोर्ट्स बाइक खरीदने का सपना देख रहे ग्राहकों के लिए कावासाकी ने शानदार ऑफर पेश किया है। यह ऑफर केवल 2024 में निर्मित मॉडल्स पर लागू होगा और स्टॉक खत्म होने तक वैध रहेगा। कावासाकी की निंजा 300 अब 3.60 लाख रुपये में उपलब्ध होगी, जो पहले 4.29 लाख रुपये की थी। निंजा 500 पर 1.20 लाख रुपये की छूट दी जा रही है, जिससे इसकी कीमत 7.20 लाख रुपये से घटकर 6 लाख रुपये हो गई है। एलिमिनेटर 500 भी अब 6.50 लाख रुपये में खरीदी जा सकती है, जो पहले 7.70 लाख रुपये में उपलब्ध थी। वहीं, निंजा 650 पर सबसे अधिक 1.25 लाख रुपये की छूट मिल रही है, जिससे इसकी कीमत 8.75 लाख रुपये से घटकर 7.50 लाख रुपये हो गई है। इन बाइक्स में दमदार इंजन दिए गए हैं। निंजा 300 में 296सीसी ,निंजा 500 और एलिमिनेटर 500 में 451सीसी और निंजा 650 में 649 सीसी का इंजन है। सभी बाइक्स में असिस्ट और स्लिपर क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स मिलता है।

टाटा का अमेरिका में निवेश टला!

- टाटा टेक्नोलॉजीज के सीईओ वारेन हैरिस ने कहा कि ट्रंप की नीति ने बनाई असुरक्षा

नई दिल्ली ।

टाटा टेक्नोलॉजीज के एमडी वारेन हैरिस ने अमेरिका में निवेश की अनिश्चितता को लेकर व्यक्त किया अपना चिंता। कहा कि ट्रंप की नीति से कंपनी के निवेश फैसले पर असर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि फैसले को प्रभावित कर सकती है उत्पादों पर लगी टैरिफ। हालांकि, उन्होंने उम्मीद जताई कि अनिश्चितता जल्द ही दूर हो सकती है। वो दावा करते हैं कि कंपनी चुस्त और लचीला है और बाजार की परिस्थितियों के मुताबिक काम करने के लिए तैयार है। उन्होंने कंपनी की वैश्विक मुक्त व्यापार की नीति की भी प्रशंसा की। वारेन हैरिस ने बताया कि कंपनी विभिन्न बाजारों में अपने उत्पादों को समझने में सक्षम है और उनके अनुसार काम करने के लिए प्रतिबद्ध है। टाटा टेक्नोलॉजीज की यह कद्र दिखाती है कि वो बदलते वैश्विक परिदृश्य के लिए तैयार है, चाहे उसमें जो भी बदलाव आएं। टाटा टेक्नोलॉजीज के एक अधिकारी ने स्पष्ट किया कि कंपनी शुल्क जैसी नीतियों की समर्थक नहीं है। उन्होंने कहा कि हम एक वैश्विक कंपनी हैं और मुक्त व्यापार का समर्थन करते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि टाटा टेक्नोलॉजीज अलग-अलग बाजार स्थितियों को समझने और उनके अनुसार ढलने में सक्षम है। उन्होंने कहा कि यूरोप की स्थिति उत्तरी अमेरिका से अलग है, वहीं चीन और भारत के बाजार भी एक-दूसरे से काफी भिन्न हैं। उन्होंने यह भी जोर दिया कि कंपनी लचीलेपन और चुस्ती के साथ बाजार में काम करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि वैश्विक परिवर्तनों के अनुसार खुद को ढाला जा सके।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भ के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 341.04 अंक करीब 0.46 फीसदी बढ़कर 74,169.95 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 111.55 अंक तकरीबन 0.50 फीसदी उछलकर 22,508.75 पर था।

बाजार में उछाल का कारण फार्मा और फाइनेंस शेयरों में खरीदारी रही। आज निफ्टी वित्तीय सर्विसेज इंडेक्स 1.03 फीसदी और निफ्टी फार्मा इंडेक्स 1.56 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसके अलावा वाहन, धातु, उर्जा और बैंकिंग इंडेक्स भी लाभ के साथ ही बढ़त पर बंद हुए हैं। वहीं, एफएमसीजी, रियल्टी और मीडिया शेयर नीचे आये।

आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी दर्ज की गयी। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 336.70 अंक करीब 0.70 फीसदी की तेजी के साथ 48,461.80 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 71.05 अंक या 0.48 फीसदी की बढ़त के साथ

14,968.40 पर था। सेंसेक्स पैक में बजाज फिनसर्व, एमएंडएम, एक्सिस बैंक, बजाज फाइनेंस, अदाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, सनफार्मा, जोमैटो, अल्ट्राटेक सीमेंट, टाटा मोटर्स, इंडसइंड बैंक, टाटा स्टील, इन्फोसिस और एचसीएल टेक सबसे अधिक लाभ में रहे। आईटीसी, नेस्ले, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एसबीआई, एशियन पेंट्स, टीसीएस, पावर ग्रिड और एचयूएल सबसे अधिक गिरे।

व्यापक बाजार में भी गिरावट देखी गयी। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर 1,617 शेयर लाभ के साथ ही हरे निशान प बंद हुए जबकि 2,502 शेयर लाल निशान में और 120 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार बढ़त के साथ खुले। सेंसेक्स 73,830 अंक के स्तर पर लगभग सपाट खुला हालांकि खुलते ही यह 280 अंक चढ़कर 74 हजार के पार चला गया था। सुबह खुलने के बाद सेंसेक्स 360.67 अंक चढ़कर 74,189.58 पर कारोबार कर रहा था। दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 50 इंडेक्स भी 80 अंक बढ़कर 22,480 के स्तर पर पहुंच गया जो 112 अंक की तेजी के साथ 22,509 पर कारोबार कर रहा था।

कच्चे तेल का आयात दिसंबर में 11 फीसदी घटा

- रूस और सऊदी से कम हुई सप्लाई

नई दिल्ली ।

पिछले साल दिसंबर में भारत ने रूस, सऊदी अरब और कुवैत जैसे पश्चिमी एशियाई आपूर्तिकर्ताओं से कच्चे तेल की आयात में दर्जनों फीसदी की कमी देखी है। वाणिज्य विभाग के अनुसार रूस से कच्चे तेल की आयात में 18.48 फीसदी गिरावट आई है, जो दिसंबर 2023 के मुकाबले 3.92 अरब डॉलर कम है। साथ ही, सऊदी अरब और कुवैत से भी आयात में 43.1 और 38 फीसदी की कमी देखी गई है। दिसंबर से पहले रूस से कच्चे तेल की आवक नवंबर, अक्टूबर और सितंबर में क्रमशः 8 फीसदी, 53 फीसदी और 34.2 फीसदी बढ़ी। बड़ी घरेलू रिफाइनरीज में रखरखाव के काम के कारण योजनाबद्ध तरीके से बंदी की वजह से अगस्त में आयात घटा था। ब्रेंट क्रूड की कीमत दिसंबर 2023 की तुलना में दिसंबर 2024 में 4.57 डॉलर प्रति बैरल कम थी। रूस से कच्चे तेल के आयात में कमी न सिर्फ कम कीमत की वजह से है, बल्कि आंकड़ों से पता चलता है कि मात्रा के हिसाब से भी आयात में 12.3 फीसदी की गिरावट आई है। अंतरराष्ट्रीय विश्लेषकों ने पहले कहा था कि रूस में ज्यादा घरेलू मांग की वजह से तेल निर्यात घटा है क्योंकि रखरखाव का काम पूरा होने के बाद ज्यादातर रूस की रिफाइनरियां कामकाज शुरू कर रही हैं। हालांकि कीमत छूट में कमी की भी इसमें भूमिका हो सकती है। आयात के अन्य बड़े स्रोतों सऊदी अरब और कुवैत ने भी क्रमशः 43.1 फीसदी और 38 फीसदी कम तेल भेजा है। इन दो देशों से मात्रा के हिसाब से भी तेल आयात में क्रमशः 36.4 फीसदी और 33.6 फीसदी गिरावट आई है। दोनों देशों से कुल तेल निर्यात में गिरावट के कारण ऐसा हुआ।

रिलायंस जियो ने आईपीएल सीजन के लिए दिया बड़ा ऑफर

- 90 दिन तक जमकर चलाएं हॉटस्टार

नई दिल्ली ।

रिलायंस जियो ने आईपीएल सीजन में क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक बड़ा ऑफर पेश किया है। कंपनी ने कहा है कि जियो का सिम चलाने वाले ग्राहकों को 90 दिन तक हॉटस्टार देखने का मौका मिलेगा, बिना कोई अतिरिक्त पैसा खर्च किए। इसके साथ ही जियो ने जियोफाइबर और एयरफाइबर का भी निःशुल्क ट्रायल ऑफर दिया है। यह ऑफर 17 मार्च से 31 मार्च तक उपलब्ध होगा। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को 299 रुपये या इससे अधिक का रिचार्ज कराना होगा। निर्देशन और शर्तें लागू होंगी। जियोहॉटस्टार का पैक 22 मार्च से एक्टिवेट होगा और 90 दिनों के लिए लागू रहेगा। इस ऑफर की जानकारी के लिए ग्राहकों को आधिकारिक वेबसाइट पर जांच करनी चाहिए। ऑफर का लाभ उठाने के लिए मौजूदा जियो सिम यूजर को कम से कम 299 रुपये वाला रिचार्ज कराना होगा। वहीं नए जियो सिम ग्राहकों को भी 299 रुपये या उससे ज़्यादा के प्लान वाला नया जियो सिम लेना होगा। जिन ग्राहकों ने 17 मार्च से पहले रिचार्ज करा लिया है, वे भी 100 रुपये का ऐड-ऑन पैक लेकर ऑफर का लाभ ले सकेंगे। प्लान के साथ 1.5 जीबी डाटा भी प्रतिदिन मिलेगा। जियो हॉटस्टार का पैक 22 मार्च से एक्टिवेट होगा, जो 90 दिनों के लिए लागू रहेगा।

अदाणी समूह का 2026 में 1.1 लाख करोड़ निवेश का लक्ष्य

- ऊर्जा एवं बुनियादी ढांचा कारोबारों में खर्च करेगी यह राशि

नई दिल्ली । देश के शीर्ष उद्योग समूहों में शामिल अदाणी समूह ने वित्त वर्ष 2026 में 1.1 लाख करोड़ रुपये निवेश करने का लक्ष्य रखा है। समूह मुख्य रूप से अपने प्रमुख ऊर्जा एवं बुनियादी ढांचा कारोबारों में यह रकम लगाएगी। चालू वित्त वर्ष में समूह ने पूंजीगत व्यय पर लगभग 92,000 करोड़ रुपये खर्च किए हैं। समूह के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार अगले वित्त वर्ष में होने वाले कुल पूंजीगत व्यय में 60,000 करोड़ रुपये का इंतजाम आंतरिक स्रोतों से किया जाएगा और शेष रकम शेयर एवं बॉन्ड जारी कर जुटाई जाएगी।

वित्त वर्ष 2025 में समूह दीर्घ अवधि के लिए उधार ली जाने वाली रकम पर ब्याज आदि में औसत खर्च 10.4 प्रतिशत से घटाकर 8.1 प्रतिशत करने में सफल रहा है। इससे समूह को सालाना 4,000 करोड़ रुपये बचत हुई है।

समूह को उम्मीद है कि अगले कुछ वर्षों के दौरान उसे लागत इसी तरह कम रखने में कोई परेशानी पेश नहीं आएगी और नई उधारी पर पूंजी लागत 75 से 100 आधार अंक कम रह सकती है। वित्त वर्ष 2025 तक समूह की सकल उधारी 2.4 लाख करोड़ रुपये रही जबकि कर्ज 1.85 लाख करोड़ रुपये रहा। समूह नए ऋण लेकर सालाना 40,000 करोड़ रुपये के पुराने कर्ज निपटाती है जिससे उसे ब्याज पर औसतन 1.72 प्रतिशत की बचत होती है। समूह ने विदेशी निवेशकों के समक्ष अपनी इन योजनाओं की रूप-रेखा पेश की। समूह के अधिकारियों ने कहा कि अगले दो दशकों तक यह बचत होती रहेगी।

भारत में सिंपल वन्स इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च

नई दिल्ली ।

भारत में सिंपल एनर्जी ने अपना सिंपल वन्स इलेक्ट्रिक स्कूटर लॉन्च किया है। ग्राहक सिंपल वन्स को चार रंगों- ब्राज़ेन ब्लाक, ग्रेस व्हाइट, अजूर ब्ल्यू और नामा रेड में खरीद सकते हैं। इसकी कीमत 1.39 लाख रुपये एक्स-शोरूम रखी गई है।

इस स्कूटर का मुकाबला ओला, अथेर, टीवीएस, बजाज जैसे प्रमुख इलेक्ट्रिक स्कूटर्स से होगा। इस स्कूटर में 35 लीटर का अंडरसीट स्टोरेज, 770 मिमी सीट हाइट, ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, 5जी ई-एसआईएम, वायफाय, 7 इंच का टचस्क्रीन डैशबोर्ड, टर्न बाय टर्न नेविगेशन, ओटीए अपडेट्स, फाइंड माई व्हीकल, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम , रीजेनेरेटिव और रैपिड ब्रेकिंग सिस्टम और पार्क असिस्ट जैसे फीचर्स दिए गए हैं। इसके अलावा स्कूटर में 8.5 केडब्ल्यू की मोटर लगी है, जो इसे 0-40 किलोमीटर प्रति घंटे की स्पीड तक 2.55 सेकंड में पहुंचने की क्षमता देती है।

इसकी टॉप स्पीड 105 किलोमीटर प्रति घंटे तक है। इस स्कूटर में चार राइडिंग मोड्स - इको, राइड, डैश और सोनिक दिए गए हैं। सिंपल वन्स में 3.7 केडब्ल्यूएच की क्षमता वाली फिक्स बैटरी दी गई है, जिसे एक बार चार्ज करने पर 181 किलोमीटर तक चलाया जा सकता है।

टाटा मोटर्स ने टियागो एनआरजी का अपडेटेड वर्जन लॉन्च

नई दिल्ली ।

स्वदेशी कंपनी टाटा मोटर्स ने टियागो एनआरजी का अपडेटेड वर्जन लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने अब इसे केवल एक्सझेड ट्रिम में उपलब्ध कराया है, जबकि पहले पेश किया गया एक्सटी ट्रिम अब बंद कर दिया गया है। इस वर्जन की शुरुआती कीमत 7.20 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) रखी गई है।

इस अपडेटेड मॉडल को एक नया फ्रंट ग्रिल और हेडलैम्प्स मिले हैं, जिससे इसे ताजगी भरा लुक मिलता है। टियागो एनआरजी को रेगुलर टियागो से अलग दिखाने के लिए कई विजुअल बदलाव किए गए हैं, जिसमें नया फ्रंट बम्पर, फॉग लैंप्स के साथ ब्लैक इंसर्ट्स, और एयर इनटेक वेंट्स के ऊपर ब्लैक्ड-आउट ट्रेपेज़ॉइडल डिजाइन शामिल हैं।

इसके अलावा, सिल्वर-कलर्ड फॉक्स स्किड प्लेट भी दी गई है, जिससे यह कार अधिक मस्कुलर दिखती है। इस कार में ब्लैक्ड-आउट रूफ, रूफ रेल्स, ओआरवीएमएस और डोर हैंडल्स के अलावा टिंटेड विंडोज भी शामिल हैं। केबिन में सबसे बड़ा बदलाव 10.2-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम है, जो वायरलेस एंड्रॉइड ऑटो और एप्पल कारप्ले को सपोर्ट करता है। इसमें नया टू-स्पोक स्टीयरिंग व्हील दिया गया है, जिसमें सेंटर में इलुमिनेटेड कॉम्पैक्ट लोगो है। सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर का एमआईडी अब पहले से बड़ा हो गया है। इसके अलावा, एसी वेंट्स में भी कुछ बदलाव किए गए हैं और सीटों को चारकोल ब्लैक फैब्रिक अपहोल्स्ट्री में लपेटा गया है, जिससे केबिन पूरी तरह से ब्लैक थीम में नजर आता है। टियागो एनआरजी में 1.2-लीटर नैचुरली एस्पिरेटेड पेट्रोल इंजन दिया गया है, जो 85 बीएचपी की पावर और 113 एनएम का टॉर्क जनरेट करता है।

सीएनजी वेरिएंट में यही इंजन 74.4 बीएचपी और 95.5 एनएम का टॉर्क देता है। इस कार में 5-स्पीड मैनुअल और 5-स्पीड एएमटी ट्रांसमिशन का विकल्प दिया गया है।साइड प्रोफाइल की बात करें तो इसमें व्हील आर्च और डोर सिल्स पर मोटी प्लास्टिक क्लैडिंग दी गई है, जो इसे एक रग्ड लुक देता है। डुअल-टोन अलॉय व्हील्स के साथ ब्लैक और क्रोम इंसर्ट्स इसे और आकर्षक बनाते हैं। पीछे की तरफ टेलगेट पर एक ब्लैक प्लेट और बम्पर में सिल्वर-कलर्ड स्किड प्लेट दी गई है।

इंडसइंड बैंक में भारी गिरावट से निवेशक परेशान, आरबीआई बोला- बैंक फाइनेंशियली स्थिर

नई दिल्ली।

इंडसइंड बैंक बीते दिनों से चर्चा में बना हुआ है। दरअसल, रिजर्व बैंक द्वारा लिए गए एक फैसले के बाद इसके शेयर में गिरावट बढ़ती चली गई और निवेशकों में हड़कंप मच गया। इंडसइंड बैंक शेयर में जबरदस्त गिरावट की वजह से बैंक की फाइनेंशियल हेल्थ को लेकर भी अटकलें लगाई जा रही हैं, लेकिन इस बीच अब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने कहा है कि ये बैंक फाइनेंशियली स्थिर और अच्छी तरह से पूंजीकृत है। इंडसइंड बैंक के शेयर में आई भारी गिरावट का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ये महज 4 कारोबारी दिनों में ही इंडसइंड बैंक 26 फीसदी से ज्यादा टूटा है और निवेशकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। बीते 10 मार्च को ये स्टॉक 909.25 रुपए पर ओपन हुआ था और 13 मार्च को ये 672.65 रुपए पर बंद हुआ। बता दें कि 14 मार्च को शेयर बाजार में छुट्टी थी यानी कोई ट्रेडिंग नहीं की गई थी। इंडसइंड बैंक के शेयर में आई भारी गिरावट का असर बैंक के मार्केट कैपिटल पर भी देखने को मिला और ये घटकर 5,2350 करोड़ रुपए रह गया है। इस बैंकिंग शेयर के 52 वीक का हाई लेवल 1576.35 रुपए है, जबकि इसका 52 वीक का लो-लेवल 606 रुपए है। बीते एक महीने में इस शेयर में 35.83 फीसदी की गिरावट आई है। बता दें कि इंडसइंड बैंक के शेयर में भारी गिरावट का सिलसिला तब शुरू हुआ, जब आरबीआई ने बैंक के सीईओ का कार्यकाल तीन साल की बजाय सिर्फ 1 साल के लिए बढ़ा दिया, जिसके बाद यह बात साफ हो गई कि आरबीआई मौजूदा मैनेजमेंट को लेकर खुश नहीं है। इसके बाद तमाम ब्रोकरेज ने इसका टारगेट घटाना शुरू कर दिया और शेयर नीचे आते चले गए। आरबीआई ने शनिवार को इंडसइंड बैंक को लेकर चल रही अटकलों पर टिप्पणी करते हुए कहा कि बैंक ने 31 दिसंबर, 2024 को खत्म तिमाही के लिए 16.46 फीसदी का पूंजी पर्याप्तता अनुपात और 70.20 फीसदी का प्रोविजन कवरेज रेशियो दर्ज किया। आरबीआई के मुताबिक बीते 9 मार्च, 2025 तक इसका लिक्विडिटी कवरेज रेशियो 113 फीसदी था, जो 100 फीसदी की रेग्युलेटरी से ज्यादा है1 बैंक से जुड़ी ये जानकारी शेयर करने के साथ ही आरबीआई ने ग्राहकों से अपील की है कि वे किसी भी प्रकार की अटकलबाजियों पर ध्यान न दें, इसके साथ ही कहा कि इंडसइंड बैंक की फाइनेंशियल हेल्थ संतोषजनक बनी हुई है और वह नियामकीय निगरानी में है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

दुबई मेरी जान... इन 3 कप जीत ने रोहित शर्मा को बना दिया बादशाह

सूरत (एजेंसी)। दुबई ¬भारतीय क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा को व्हाइट-बॉल क्रिकेट का क्लच परफॉर्मर कहें तो कुछ गलत नहीं होगा। दुबई का मैदान वैसे भी उनका खूब भाता है। जहां रोहित ने जितने भी फाइनल खेले हैं उसमें उनका बल्ला खूब चला है। और हर बार वह अपनी टीम को बादशाहों की तरह जीत दिलाकर रहते हैं। बीते दिनों रोहित ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 फाइनल में 76 रन बनाकर भारत को यादगार जीत दिलाई। इससे पहले वह एशिया कप 2018 का फाइनल और मुंबई इंडियंस को आईपीएल 2020 खिताब भी इसी मैदान पर दिला चुके हैं।

एशिया कप 2018: (48 रन)

बांग्लादेश के खिलाफ एशिया कप 2018 के फाइनल में रोहित ने 55 गेंदों पर 48 रन बनाए और भारत के सफल लक्ष्य का पीछा करने की नींव रखी। दबाव में उनकी शांत और संयमित बल्लेबाजी ने सुनिश्चित किया कि भारत ट्रॉफी उठाए। बांग्लादेश ने पहले खेलते हुए लिटन दास के शतक तो सौम्य सरकार ने 33 रन बनाकर स्कोर 222 तक पहुंचाया। रोहित के बाद दिनेश कार्तिक, महेंद्र सिंह धोनी, केदार यादव ने संक्षिप्त पारी खेलकर टीम को जीत दिला दी।

आईपीएल 2020 : (68 रन)

रोहित ने मुंबई इंडियंस के कप्तान के रूप में दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ आईपीएल फाइनल में शानदार प्रदर्शन किया। 51 गेंदों पर 68 रन बनाकर उन्होंने दिल्ली द्वारा दिया गया 157 रन का लक्ष्य आसान कर दिया। यह मुंबई का 5वां आईपीएल खिताब रहा। दिल्ली ने पहले खेलते हुए श्रेयस अय्यर के 65 तो ऋषभ पंत के 56 रन की मदद से 156 रन बनाए थे। जवाब में मुंबई को रोहित के अलावा ईशान किशन ने 33 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 : (76 रन)

रोहित की दुबई गाथा का सबसे हालिया अध्याय चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के फाइनल में सामने आया, जहां उन्होंने 83 गेंदों पर 76 रन बनाकर विपक्षी गेंदबाजी आक्रमण को तहस-नहस कर दिया। न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए 251 रन बनाए थे। डिरेल मिचेल 63 तो माइकल ब्रेसवेल ने 53 रन बनाए थे। जवाब में रोहित ने टीम इंडिया को क्लासिकल स्ट्रोकप्ले से तेज शुरूआत दी। इसके बाद श्रेयस अय्यर ने 48 तो केएल राहुल ने 34 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी।

दुबई की परिस्थितियां रोहित शर्मा को भाती हैं जहां पिचें अक्सर ऐसे बल्लेबाजों के अनुकूल

होती हैं जो समय और शक्ति का संतुलन बना सकते हैं। पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा कि रोहित की खेल की स्थिति को समझने और अपनी पारी को गति देने की क्षमता बेजोड़ है। दुबई में, जहां फाइनल का दबाव भारी हो सकता है, वह जिस स्पष्टता के साथ खेलता है वह वास्तव में उल्लेखनीय है।

मैट रिचटमैन 31 वर्षों में लॉस एंजिलिस मैराथन जीतने वाले पहले अमेरिकी धावक बने

लॉस एंजिलिस (एजेंसी)। मैट रिचटमैन ने 40वीं वार्षिक लॉस एंजिलिस मैराथन जीती और इस तरह से पिछले 31 साल में यह खिताब जीतने वाले पहले अमेरिकी धावक बन गए। उन्होंने 2 घंटे, 7 मिनट और 56 सेकंड का समय लेकर अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया।

उनसे पहले यह मैराथन जीतने वाले आखिरी अमेरिकी धावक पॉल पिलकिंगटन थे जिन्होंने 1994 में यह कारनामा किया था। कीनिया के अथानास किओको 2:10.55 के समय के साथ दूसरे स्थान पर रहे। कीनिया के ही मोसेस कुर्गट ने 2:13.13 का समय लेकर तीसरा स्थान हासिल किया।

महिलाओं की दौड़ में इथियोपिया की तेजिनेश तुलु ने 2:30.16 का समय लेकर खिताब अपने नाम किया। कीनिया की एंटोनिना क्राम्बई 2:30.19 के समय के साथ दूसरे जबकि ओरेम, यूटा की सवाना बेरी 2:30.31 का समय लेकर तीसरे स्थान पर रहीं।

बिहार के युवा क्रिकेटर को सीएसके ने नेट बॉलर के तौर पर चुना, मां ने कहा- इसकी उम्मीद नहीं थी

सुपौल (एजेंसी)। बिहार के सुपौल के युवा क्रिकेटर मोहम्मद इजहार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 सीजन से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के लिए नेट बॉलर के तौर पर चुना गया है जिससे परिवार और उनके राज्य में गर्व और खुशी की लहर दौड़ गई है।

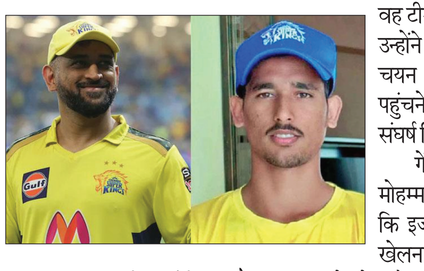

पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स 23 मार्च को चेपक स्टेडियम के घरेलू मैदान में चिर प्रतिद्वंद्वी और पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस (एमआई) के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। अपने अभियान से पहले उन्होंने बिहार के इस युवा खिलाड़ी को नेट बॉलर के तौर पर शामिल किया है और वादा किया है कि वह अपने क्रिकेट सफर में उसे बहुत आगे ले जाने वाले अनुभव और यादें देगा।

इजहार की मां शबनम खातून अपने बेटे के चयन से खुश हैं। उन्होंने कहा, 'हमें इसकी उम्मीद नहीं थी। यहां तक पहुंचने के लिए उसे काफी संघर्ष और कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हम वाकई बहुत खुश हैं। उन्होंने कहा कि वह हमें गौरवान्वित करेगा और मेरा आशीर्वाद उसके साथ है।' इजहार के भाई साद आलम ने भी कहा कि वह चाहते हैं कि वह टीम इंडिया के लिए खेले। उन्होंने कहा, %हम उसके चयन से खुश हैं। यहां तक पहुंचने के लिए उसने काफी संघर्ष किया है।'

गेंदबाज के चाचा मोहम्मद जहांगीर ने भी कहा कि इजहार हमेशा से क्रिकेट खेलना चाहता था और उसने अपने खेल के लिए काफी मेहनत की। उन्होंने कहा, 'वह मेरा भतीजा है और परिवार और समुदाय में इसको लेकर काफी खुशी है। वह हमेशा से क्रिकेट खेलना चाहता था। हमारे मना करने के बावजूद भी वह नहीं माना। 2019-2020 में उसे बिहार के लिए राज्य स्तर पर चुना गया और तब से वह आगे बढ़ता रहा और बहुत से लोगों ने उसका समर्थन किया। उसने पढ़ाई की और क्रिकेट खेला। हमें उम्मीद है कि वह भारत के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलेगा और हमें गौरवान्वित करेगा।'

इन तीन खिलाड़ियों की फार्म को लेकर मुम्बई इंडियंस की चिन्ताएं बढ़ीं

मुम्बई (एजेंसी)। हार्दिक पंड्या की कप्तानी में मुम्बई इंडियंस टीम 22 मार्च से शुरु होने वाले आईपीएल के पांचवें सत्र में खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी। पिछले सत्र में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था। ऐसे में इस बार उसे अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। पांच ट्रॉफी जीत चुकी मुंबई इंडियंस कोअंतिम बार साल 2020 में खिताब जीता था। इसके बाद से ही टीम कुछ खास नहीं कर पायी है। टीम के पास कप्तान पंड्या के अलावा रोहित शर्मा, तिलक वर्मा सहित कई अच्छे खिलाड़ी है पर सूर्यकुमार यादव, विल जैक्स और रीस टॉपली के खराब प्रदर्शन से उसकी चिन्ताएं बढ़ गयी हैं।

सूर्यकुमार यादव

टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमाक यादव का बल्ला पिछले काफी समय से शांत है। इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैच की टी-20 सीरीज में भी वह केवल 28 रन ही बना पाये थे। वहीं विजय हजारे ट्रॉफी की चार पारियों में 38 रन और रणजी ट्रॉफ़ी की पांच पारियों में 109 रन ही उनके नाम रहे। इसलिए सूर्यकुमार का फार्म में आना मुम्बई के लिए जरुरी है।

विल जैक्स

विल जैक्स का इस बार मुम्बइे ने मेगा नीलामी में खरीदा था। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए पिछले सत्र में जैक्स ने आठ मैच में 230 रन बनाये थे और दो विकेट भी लिए थे। इस दौरान गुजरात टाइटंस के खिलाफ उन्होंने 41 गेंद में 100 रन बनाये थे पर टीम ने उन्हें रिटेने नहीं किया था। जैक्स का फॉर्म हाल में बेहद खराब रहा है। एसएक 20 में 25 की औसत से वह केवल 225 रन ही बना पाए थे। ऐसे में मुम्बई चाहेगी कि वह सत्र क लिए लय हासिल कर लें।

रीस टॉपली

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज रीस टॉपली ने पिछले सत्र में आरसीबी के लिए चार मैच खेले थे। वह केवल चार विकेट ही ले पाए थे। इस बार मुंबई इंडियंस ने उन्हें अपने साथ जोड़ा है। टॉपली अबुधाबी टी-10 लीग में वह सिर्फ तीन विकेट ही ले पाए थे जबकि बांग्लादेश प्रीमियर लीग के सात मैच में केवल चार विकेट ही ले पाये थे। ऐसे में मुम्बई की जीत में योगदान देने उन्हें बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

आईपीएल से शुरुआती सत्र से बाहर रहेंगे बुमराह सहित ये खिलाड़ी

मुम्बई ।22 मार्च से शुरु हो रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के पहले सत्र में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह सहित कई अन्य प्रमुख खिलाड़ी भी नजर नहीं आयेंगे। इस सत्र का पहला मुकाबला कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के बीच खेला जाएगा। ये खिलाड़ी शुरुआती कुछ मैचों में चोटिल होने या निजी कारणों से नहीं खेल पायेंगे। तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, एनरिक नॉर्खिया और मयंक यादव तीनो ही अभी फिट नहीं होने के कारण खेल से दूर हैं। मुंबई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज बुमराह पीठ की चोट के कारण जनवरी से ही प्रतिस्पर्धी क्रिकेट से बाहर हैं। बुमराह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ जनवरी में सिडनी में खेले गए पांचवें और अंतिम टेस्ट मैच के दूसरे दिन चोटिल हो गए थे और इसी कारण वह दूसरी पारी में भी गेंदबाजी नहीं कर पाए थे। इसी प्रकार केकेआर के तेज गेंदबाज एनरिक नॉर्खिया भी कमर की चोट से जूझ रहे हैं और इसी कारण चैंपियंस ट्रॉफी से भी वह बाहर थे। लखनऊ सुपर जायंट्स के मिचेल मार्श और मयंक यादव भी फिट नहीं हैं। आरसीबी के जोश हेजलवुड और जैकब बेथेल का खेलना भी पक्का है। वहीं हार्दिक पांड्या एक मैच के प्रतिबंध के कारण पहले मैच से बाहर रहेंगे। इसके अलावा पंजाब किंग्स के लॉकी फग्यूर्सन भी शुरुआती मैचों से बाहर रह सकते हैं।

पाकिस्तान में क्रिकेट के पतन पर बोले इंजमाम, हम कई क्षेत्रों में गलतियां कर रहे हैं

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम उल हक ने देश में क्रिकेट के पतन पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके लिए इस खेल को संचालित कर रहे लोगों की कई क्षेत्रों में की गई गलतियों को जिम्मेदार ठहराया। इंजमाम में लाहौर में पत्रकारों से कहा कि पिछले दो वर्षों में राष्ट्रीय टीम के प्रदर्शन में बहुत गिरावट आई है। उन्होंने कहा, 'हम सही दिशा में काम नहीं कर रहे हैं और कई क्षेत्रों में लगातार गलतियां कर रहे हैं।' राष्ट्रीय चयन समिति के पूर्व अध्यक्ष इंजमाम ने आगाह किया कि अगर जल्द ही ठोस योजना तैयार नहीं की गई तो यह गिरावट आगे भी जारी रहेगी। उन्होंने इसके लिए टीम प्रबंधन, कोच और खिलाड़ियों में लगातार बदलाव को जिम्मेदार ठहराया। इंजमाम ने कहा, 'मेरा मानना है कि क्रिकेट बोर्ड को अब अपनी गलतियों से सीख लेनी चाहिए और उन गलतियों को दोहराने से बचना चाहिए जो वह पिछले दो वर्ष से कर रहे हैं।' उन्होंने कहा, 'पिछले दो वर्षों में पाकिस्तान की टीम के प्रदर्शन में बहुत गिरावट आई है। अगर हमने तुरंत सही दिशा में कदम नहीं उठाए तो यह गिरावट आगे भी जारी रहेगी। हमें बैठकर इस पर विचार करना चाहिए कि हमने कहां गलतियां की।'

वरुण बोले, इस कारण मुझे टेस्ट में नहीं मिल सकता अवसर

नई दिल्ली। आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी में अपनी शानदार गेंदबाजी से सभी को प्रभावित करने वाले भारतीय क्रिकेट टीम के मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने कहा है कि कि वह टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं पर शायद ही खेल पाये। वरुण का मानना है कि वह टेस्ट के लिए नहीं बने हैं।साथ ही कहा कि जिस प्रकार की गेंदबाजी उनकी है उससे टेस्ट में जगह मिलना संभव नजर नहीं आता। इस स्पिनर ने सितंबर 2018 में घरेलू क्रिकेट में डेब्यू के बाद से 27 लिस्ट ए और 106 टी20 मैच खेले हैं। इसके बाद उन्हें सीमिल ओवरों के लिए भारतीय टी20 और फिर एकदिवसीय टीम में जगह मिली। वरुण 2021 टी20 विश्वकप में भारत की टीम का हिस्सा थे, जहां टीम ग्रुप स्टेज में ही बाहर हो गई थी। इसके बाद उनको काफी आलोचना झेलनी पड़ी थी। वरुण के नाम सिर्फ एक फर्स्ट क्लास मैच है। नवंबर 2018 में हैदराबाद के खिलाफ उन्होंने यह मुकाबला खेला था। वरुण टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं पर घरेलू क्रिकेट में कम अनुभव की वजह से उनको लगता है कि वो इस प्रारुप में भारत के लिए खेलने का सपना पूरा नहीं कर सकते। वरुण ने कहा, 'मुझे टेस्ट क्रिकेट में रुचि है पर मेरी गेंदबाजी का स्टाइल टेस्ट क्रिकेट के लिए फिट नहीं है। मेरी गेंदबाजी लगभग मीडियम पेस जैसी है। वहीं टेस्ट क्रिकेट में आपको लगातार 20-30 ओवर गेंदबाजी करनी होती है। मैं ऐसा नहीं कर सकता मैं अधिकतम 10-15 ओवर ही फेंक सकता हूं, जो टेस्ट प्रारुप के लिए उपयुक्त नहीं है। फिलहाल मैं 20 ओवर और 50 ओवर के व्हाइट बॉल क्रिकेट पर ध्यान लगा रहा हूं।'

आईपीएल2025: दिल्ली कैपिटल्स ने उप-कप्तान की घोषणा की, 40+ की उम्र के बल्लेबाज को दी जिम्मेदारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज फाफ डू प्लेसिस को इंडियन प्रीमियर लीग 2025 से पहले दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) टीम का उप-कप्तान बनाया गया है। डीसी ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट करके इसकी घोषणा की जिसमें फाफ को फोन पर किसी से बात करते हुए देखा जा सकता है, जिसमें वह टीम के साथ अपनी निकटता व्यक्त करने के लिए 'मैं घर पर हूं', दिल्ली शानदार रही है और लड़के शानदार रहे हैं' जैसे शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं और यह भी पुष्टि की है कि वह 'दिल्ली कैपिटल्स के उप-कप्तान हैं और बहुत उत्साहित हैं।'

फाफ ने अपने देश और दुनिया भर की फ्रेंचाइजी के लिए अब तक 404 टी20 मैच खेले हैं और 40 साल की उम्र में भी दुनिया भर की लीग में दमदार प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने 383 पारियों में छह शतकों और 78 अर्द्धशतकों की मदद से 32.66 की औसत से 11,236 रन बनाए हैं। फाफ के पास आईपीएल का काफी अनुभव है जिसमें दुबई के साथ तीन सीजन की कप्तानी का अनुभव भी शामिल है, जो दो सीजन में फ्रैंचाइजी को प्लेऑफ में ले गया।

फाफ ने 145 आईपीएल मैचों में 35.99 की औसत और 136 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 4,571 रन बनाए हैं जिसमें 37 अर्द्धशतक और 96 का सर्वश्रेष्ठ स्कोर है। डु प्लेसिस चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के साथ दो बार के आईपीएल विजेता भी हैं, को पिछले सीजन की नीलामी के दौरान डीसी ने 2 करोड़ रुपए में खरीदा था। वह भारतीय ऑलराउंडर अक्षर के उप-कप्तान होंगे, जिन्हें इस सीजन के लिए कप्तान बनाया गया है।

कैपिटल्स की टीम में शामिल 82 मैचों में पटेल ने 967 रन बनाए हैं और 7.09 की शानदार इकॉनमी से 62 विकेट लिए हैं। मैदान पर जानदार प्रदर्शन करने के अलावा इस ऑलराउंडर ने कैपिटल्स और भारतीय राष्ट्रीय टीम के प्रशंसकों के साथ एक खास तालमेल भी विकसित किया है। वह टीम इंडिया के साथ टी20 विश्व कप 2024 और आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के विजेता भी हैं और इन जीत में उन्होंने बल्ले और गेंद दोनों से अहम भूमिका निभाई है। डीसी 24 मार्च को विजाग में लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के खिलाफ अपने आईपीएल अभियान की शुरुआत करेगी।

लंदन में होगी विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम शतरंज चैम्पियनशिप

लंदन ।ड्यूसेल्डॉर्फ 2023 और अस्ताना 2024 के बाद अब फिडे विश्व रैपिड और ब्लिट्ज टीम शतरंज चैम्पियनशिप का अगला संस्करण लंदन में 10 जून से 16 जून तक आयोजित किया जाएगा। इस बार का इनामी राशि भी बढ़ाकर 5 लाख यूरो (करीब 4.5 करोड़) कर दी गयी है। रैपिड के लिए 3,10,000 यूरो और ब्लिट्ज के लिए 1,90,000 यूरो की राशि रखी गई है। वहीं इस बार ब्लिट्ज़ के लिए एक नया नॉकआउट स्तर भी जोड़ा गया है नये नॉकआउट स्तर में पहले दिन राउंड रॉबिन आधार पर पूल के आधार पर मुक़ाबले होंगे प्रणाली , उसके बाद 16 टीम प्ले ऑफ में प्रवेश करेंगी। इस बार भी टीम में कम से कम 6 और अधिकतम 9 खिलाड़ी हो सकते है। इसके साथ ही एक महिला खिलाड़ी और एक 2000 से कम रेटिंग के खिलाड़ी को भी टीम में शामिल करना होगा। इसमें विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नार्वे के मैगनस कार्लसन की टीम डबल्यूआर और भारत के अर्जुन एरिगासी की एमजीडी1 में इस बार कड़ी टक्कर हो सकती है। इस स्पर्धा को लेकर उत्साहित होते हुए फिडे के सीईओ एमिल सुतोव्स्की ने कहा, अपने कैलेंडर के सबसे रोमांचक आयोजनों में से एक को लंदन में लाने पर हमें खुशी है। हम उम्मीद करते हैं कि इसमें विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी इसमें भाग लेंगे। इसमें कई उभरते खिलाड़ियों को बड़े खिलाड़ियों से सीखने को मिलेगा।

रहाणे आईपीएल के लिए मैदान में उतरते ही बनाएंगे रिकार्ड

मुम्बई ।आईपीएल के 2025 सत्र के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के कप्तान बने आजिंक्य रहाणे लीग के पहले मैच में उतरने ही एक अहम रिकार्ड अपने नाम करेंगे। इसी के साथ ही रहाणे पहले भारतीय कप्तान बनेंगे, जिन्होंने तीन अलग-अलग टीमों की कप्तानी की है। कोलकाता नाइट राइडर्स का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से होगा। रहाणे ने 2017 में राइजिंग पुणे सुपरजायंट्स के लिए कप्तानी की थी। उन्होंने स्टीव स्मिथ की जगह ली थी, जोकि एक गेम से बाहर थे। रहाणे ने 2018 में राजस्थान रॉयल्स में वापसी की थी, क्योंकि टीम के कप्तान स्टीव स्मिथ पर एक सीजन के लिए बैन लगा था। आईपीएल 2019 में भी उन्होंने रॉयल्स टीम की कप्तानी की। रहाणे अगले पांच सीजन में दिल्ली कैपिटल्स, केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल हुए। आईपीएल 2025 की मेगा-नीलामी में उन्होंने केकेआर में वापसी की और अब तीन बार की आईपीएल चैंपियन टीम की अगुवाई करने के लिए तैयार हैं। वहीं रोहित शर्मा मुंबई इंडियंस और विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने अपने आईपीएल करियर के दौरान सिर्फ एक ही टीम की कप्तानी की है। जबकि महेन्द्र सिंह धोनी ने दो टीमों की कप्तानी की है। रहाणे को केकेआर टीम की कमान मिलने पर कई लोगों को हैरानी भी हुई, क्योंकि वेंकटेश अय्यर कप्तानी की दौड़ में उनसे आगे थे। पिछले सत्र में केकेआर की कप्तानी श्रेयस अय्यर के पास थी पर इस सत्र के लिए उन्हें केकेआर ने बरकरार नहीं रखा था।

डब्लयूपीएल : कोच चार्लोट ने हरमनप्रीत सहित इन खिलाड़ियों को दिया जीत का श्रेय

मुंबई । मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच चार्लोट एडवडर्स ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) में मिली खिताबी जीत का श्रेय कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित टीम की गेंदबाजों को दिया है। मुम्बई ने खिताबी मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स को हराया था। चार्लोट ने कहा कि दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग और सलामी बल्लेबाज शेफाली वर्मा के विकेट जल्दी लेने से उनकी टीम को जीत मिली। लैनिंग 13 और शेफाली चार रन बनाकर ही पेवेलियन लौट गयी थी और कैपिटल्स का स्कोर 17 रन ही था। इस प्रकार जीत के लिए 150 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली की टीम केवल 141 रन ही बना सकी। चार्लोटने मैच के बाद कहा, 'हमें पता था कि 150 रन का लक्ष्य ज्यादा बड़ा नहीं होगा पर फाइनल में यह खराब भी नहीं था। शेफाली अपना आक्रामक प्रदर्शन नहीं कर सकी और मुझे पता था कि उसका विकेट लेने के बाद हमारे लिये अच्छा अवसर है। लैनिंग और शेफाली की शुरूआती साझेदारी हमारे लिये परेशानी थी और उन दोनों को जल्दी आउट करने से हमें सहायता मिली। यह टीम के एकजुट होकर किये प्रयासों का ही परिणाम है। चार्लोट ने 44 गेंद में तेजी से 66 रन बनाने वाली कप्तान हरमनप्रीत की तारीफ करते हुए कहा, 'वह शांत होकर खेल रही थी। वह काफी प्रतिस्पर्धी है और एक और खिताब जीतना चाहती थी जिसके लिये उसने पूरा प्रयास किया। इसके अलावा उसने अपने खिलाड़ियों का बेहतर उपयोग किया।

स्विस ओपन में सिंधू और लक्ष्य को दोबारा फॉर्म हासिल करने की उम्मीद

बासेल (एजेंसी)। स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पी वी सिंधू और लक्ष्य सेन यहां मंगलवार से शुरू हो रहे 250000 डॉलर ईनामी राशि के स्विस ओपन टूर्नामेंट में खोया फॉर्म हासिल करने की कोशिश करेंगे। सातवीं वरीयता प्राप्त दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधू का सामना भारत की दूसरे नंबर की खिलाड़ी मालविका बंसोड़ से होगा। वहीं लक्ष्य भी भारत के ही एच एस प्रणय से खेलेंगे जो यहां 2016 में खिताब जीत चुके हैं।

तीन साल पहले यहां खिताब जीत चुकी सिंधू आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप में पिछले सप्ताह पहले ही दौर में हार गई थी। मालविका ने हालांकि सिंगापुर की यिओ जिया मिन को हराया था। लक्ष्य आल इंग्लैंड चैम्पियनशिप के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे जबकि प्रणय पहले दौर में बाहर हो गए थे। स्विस ओपन में भारतीयों का रिकॉर्ड अच्छा रहा है और सिंधू, के श्रीकांत, प्रणय, समीर वर्मा, साइना नेहवाल, पुरूष युगल में सात्विक साइराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी यहां खिताब जीत चुके हैं।

लक्ष्य और प्रणय का यह पेरिस ओलंपिक के बाद एक दूसरे से पहला मुकाबला होगा। पेरिस ओलंपिक में चौथे स्थान पर रहे लक्ष्य ने पिछले सप्ताह इंडोनेशिया के जोनाथन क्रिस्टी को हराया था जबकि चिकनगुनिया से उबरकर वापसी करने के बाद प्रणय शुरूआती दौर से ही बाहर हुए हैं।

महिला एकल में आकर्षि कश्यप और अनुपमा उपाध्याय भी खेलेंगी। कश्यप का सामना क्वालीफायर से तो अपराजिता की टक्कर डेनमार्क की लाइन होमार्क के से होगा। रक्षिता श्री संतोष रामराज पहले दौर में डेनमार्क की लाइन क्रिस्टोफरसेन से खेलेंगी।

पुरूष एकल में किरण जॉर्ज का सामना डेनमार्क के रास्मस गेमके से होगा जबकि प्रियांशु राजावत स्विटजरलैंड के टोबियास कुऐंजी से खेलेंगे। महिला युगल में त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की टक्कर एलाइन म्यूलर और केली वान बुइटेन से होगी। वहीं प्रिया के और श्रुति मिश्रा तथा आरती साहा और वर्षिणी विश्वनाथ की जोड़ी भी इस वर्ग में खेलेगी।

ट्यूशन से पढ़ाई में अव्वल आ सकते हैं बच्चे

कई पेरेंट्स को लगता है कि बच्चे को ट्यूशन की जरूरत नहीं है और इस चक्कर में स्कूल में बच्चे का परफॉर्मेंस खराब होता चला जाता है।

अब पढ़ाई पहले से ज्यादा मुश्किल हो गई है और बड़ी क्लास में जाने पर बच्चों की परेशानियां भी बढ़ रही हैं। काम के बोझ, असाइनमेंट और बड़े सिलेबस की वजह से बच्चों पर बोझ बढ़ रहा है। पेरेंट्स भले ही बच्चों की पढ़ाई में मदद करते हों लेकिन कई सवाल ऐसे आ जाते हैं, जहां उन्हें एक्सपर्ट की सलाह की जरूरत होती है। यहां काम आता है होम ट्यूशन। ट्यूशन से बच्चों को अपने सवालों के जवाब मिलते हैं और वो नए लर्निंग स्किल्स सीखते हैं। अगर आपके बच्चे में ये 5 संकेत दिख रहे हैं, तो समझ लें कि उसे ट्यूशन की जरूरत है।

परफॉर्मेंस में गिरावट

अगर बच्चे की परफॉर्मेंस खराब हो रही है तो इसका मतलब है कि बच्चे को पढ़ाई में बहुत मेहनत करनी पड़ रही है। वहीं अगर बच्चा पहले अच्छा परफॉर्म करता था लेकिन अब कुछ ठीक नहीं चल रहा है, तो यह वाकई में चिंता की बात है। बच्चे से बात करें कि उसे पढ़ाई में क्या परेशानी आ रही है और उसे ट्यूशन की जरूरत है या नहीं।

आत्मविश्वास में कमी

अगर बच्चे को स्कूल में काम खत्म करने में दिक्कत आ रही है तो इसका उनके कॉन्फिडेंस पर असर पड़ेगा। उन्हें अपना होमवर्क खत्म करने की टेंशन होगी और स्कूल न जाने का मन करेगा और परीक्षा में भी परफॉर्मेंस खराब हो जाएगी। ऐसा संकेत मिलने पर आपको अपने बच्चे के लिए ट्यूशन रख लेना चाहिए। इससे उसका कॉन्फिडेंस बढ़ेगा।

टाइम को मैनेज न करना

टाइम को मैनेज करने में दिक्कत आना या किसी एक सबजेक्ट को याद करने में परेशानी आना भी इस बात का संकेत है कि बच्चे को मदद की जरूरत है। हो सकता है कि बच्चा बाकी सभी सबजेक्ट में अच्छा हो लेकिन गणित और साइंस में उसे परेशानी आती हो। ऐसे में सिर्फ स्कूल जाकर उसकी परेशानी का हल नहीं निकल सकता है। उसे घर पर भी इन विषयों की एक्स्ट्रा क्लास की जरूरत होगी।

होमवर्क करने में दिक्कत आना

अगर बच्चा होमवर्क करने में बहाने बनाता है या स्कूल से मिले काम को छिपा रहा है, तो आप समझ लें कि उसे मदद की जरूरत है। बच्चे अक्सर ऐसा तब करते हैं जब उन्हें कोई टॉपिक समझ न आ रहा हो या काम खत्म करने में दिक्कत हो रही हो। प्राइवेट ट्यूटर बच्चे को उसका काम खत्म करने और टॉपिक को समझने में मदद कर सकते हैं।

खुद के पास नहीं है समय

आप चाहते हैं कि आपका बच्चा पढ़ाई में अच्छा करे तो आपको भी इसके लिए मेहनत करनी होगी। स्कूल की पढ़ाई पर आप ज्यादा भरोसा नहीं कर सकते हैं। अगर आप बच्चे पर ध्यान नहीं दे सकते हैं या उसकी पढ़ाई में मदद नहीं कर सकते हैं तो उसके लिए होम ट्यूशन रख लें। कई लोग सोचते हैं कि ट्यूशन कमजोर बच्चे लेते हैं लेकिन ऐसा नहीं है। ट्यूशन से बच्चों को पढ़ाई में काफी मदद मिल जाती है और उनका परफॉर्मेंस भी बेहतर होता है।

बच्चों के लिए बनाएं हैल्दी-टेस्टी मैक्सिकन सैंडविच

सेहतमंद रहने के लिए डाइट का हैल्दी होना बेहद जरूरी है। मगर बात बच्चों की करें तो वे खाने-पीने में थोड़ी मूडी होते हैं। ऐसे में आप उन्हें खास मैक्सिकन सैंडविच बनाकर खिला सकती है। सब्जियों व पनीर से तैयार यह सैंडविच खाने में टेस्टी होने के साथ सेहत के लिए फायदेमंद होता है। जानते हैं इसे बनाने की रेसिपी...

सामग्री

ब्रेड- 4 स्लाइस
बटर- 4 चम्मच
बेक बीन्स- 1/2 बाउल
टमाटर- 1 (कटा हुआ)
प्याज- 1/4 बाउल (कटे हुए)
ग्रेटिड पनीर- 2 बड़े चम्मच
स्प्रिंग ऑनियन- 1 बड़ा चम्मच (कटा हुआ)
नमक-स्वाद अनुसार
रेड चिली सॉस- 1 छोटा चम्मच
टोमैटो सॉस- 1 बड़ा चम्मच
सालसा सॉस- 2 बड़े चम्मच

विधि

- सबसे पहले ब्रेड को ट्राएंगल शेप में काटकर बटर लगाएं।
- एक बाउल में सभी सब्जियां व सॉस मिलाएं।
- तैयार स्टफिंग को ब्रेड पर लगाकर दूसरे ब्रेड स्लाइस से ढक दें।
- अब ब्रेड पर दोनों तरफ बटर लगाकर तवे पर शैलो फ्राई करें।
- आप चाहें तो इसे बेक कर सकती है।
- तैयार मैक्सिकन सैंडविच को सालसा व टोमैटो सॉस के साथ सर्व करें।

नाश्ते में बनाएं इंदौरी पोहा

नाश्ते में खासतौर पर लोग पोहा खाना पसंद करते हैं। वहीं लोग इसमें अलग-अलग सब्जियां डालकर खिलाते हैं। मगर आज हम आपके लिए खास इंदौरी पोहा की रेसिपी लेकर आते हैं। यह चिड़वा, सब्जी, भुजिया और मूंगफली से तैयार किया जाता है। इसे बनाने का तरीका...

सामग्री

पोहा-2 कप
हरी मिर्च- 2 (बारीक कटी)
सौंफ- 1 छोटा चम्मच
राई- 1/2 छोटा चम्मच
हल्दी पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
शक्कर- 2-3 बड़े चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
हरा धनिया- 1 बड़ा चम्मच (बारीक कटा)
प्याज- 1/2 कप (बारीक कटा)
चटपटी इंदौरी सेव- जरूरत अनुसार
तेल- 2 बड़े चम्मच
मसाला बूंदी- जरूरत अनुसार
जीरावन मसाला- जरूरत अनुसार
नींबू- 1 बड़ा चम्मच

विधि

- सबसे पहले पोहा धोएं और इसका पानी निकाल कर अलग रखें।
- अब इसमें हल्दी, नमक और शक्कर मिलाएं।
- पैन में तेल गर्म करके राई का तड़का लगाएं।
- इसमें हरी मिर्च, सौंफ पकाएं।
- इसमें पोहा मिलाकर धीमी आंच पर पकाएं।
- अब एक पतीले में पानी उबालें।
- उस पानी में पोहा का पैन रखकर इसे भाप में पकाएं।
- पोहा पकने पर इसे प्लेट में निकालें।
- इसे सेंव, प्याज, जीरावन मसाला, बूंदी और नींबू से गार्निश करके सर्व करें।

अपने बच्चे को सिखाएं मनी मैनेज करना

बच्चे जब बड़े होने लगते हैं तो उन्हें वित्तीय शिक्षा देना आवश्यक हो जाता है। वे आपका अनुकरण करके भी सीख जाएंगे, पर समय-समय पर उन्हें छोटी-छोटी बातें बताकर आप उन्हें अपने जिम्मेदार बनाने में मदद कर सकते हैं। अपने बच्चों से आप कीमतों और उत्पादों की तुलना पर चर्चा करें। उन्हें भी किराने की दुकान पर अपने साथ ले जाएं, फिर धीरे-धीरे छोटे-मोटे सामान लाने के लिए उन्हें अकेले भेजें। इससे उनमें बाजार और पैसे की समझ पैदा होगी। बच्चे जितनी जल्दी पैसों का प्रबंधन सीख जाएं, उतना अच्छा है। इस तरह वे जीवन का एक महत्वपूर्ण सबक सीखेंगे। जब वे वयस्क हो जाएंगे तो अपने आप स्मार्ट वित्तीय विकल्प बनाने लग जाएंगे। बचपन से ही उन्हें पैसे के प्रबंधन के लिए इन 3 तरीकों को जानना बेहद जरूरी है-

सहेजना/ बचत करना

इस तरीके को आसानी से समझाने के लिए आप अपने बच्चे को गुल्लक लाकर दीजिए। जब भी बच्चे को उपहार के रूप में पैसे मिलें तो उसे वे गुल्लक में डालने के लिए कहें, फिर उसे पैसे गिनने के लिए कहें और ये समझाएं कि पैसे जमा हो रहे हैं और बढ़ रहे हैं। ऐसा करने के लिए अपने बच्चे को प्रोत्साहित करें।

खर्च करना

अपने बच्चे को बुद्धिमानी से खर्च करना सिखाएं। जब वे एक नए पेंसिल बॉक्स पर खर्च करना चाहें तो उनसे पूछें कि क्या वे वास्तव में इसे खरीदना चाहते हैं? उनके लिए यह समझना बहुत जरूरी है कि उनके लिए क्या जरूरी है और क्या नहीं। इससे बच्चा अपनी असली जरूरतों को समझेगा और फिजूलखर्ची नहीं करेगा।

दान

उन्हें साझा करना सिखाएं। उसे सिखाएं कि उदारता से बड़ा कोई पुण्य नहीं है। इसी के साथ उन्हें पैसे की कद्र करना सिखाएं, पैसे की बचत करना सिखाएं, फिजूलखर्ची होने पर उन्हें चेताएं और सबसे जरूरी यह है कि आप खुद उनके लिए एक आदर्श उदाहरण बनें। बच्चे आपका अनुकरण अवश्य करेंगे।

ड्रैसिंग रूम को दें अलग अंदाज

अपने आशियाने को करीने से सजाना प्रत्येक महिला की चाहत होती है। ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्थान के कुछ ईजी टिप्स, रोशनी लगाने का एक अलग अंदाज और सोफे में ही टेबल के एक लेटेस्ट डिजाइन के बारे में जानना भी जरूरी है। तो आइए जानें ड्रैसिंग रूम में ज्यादा स्पेस कैसे बनाएं

- आप जिन चीजों को रख रही हैं उनकी लेबलिंग करें। बास्केट पर लिख दें कि यह किस चीज के लिए है।
- तौलिए, कपड़ों को टांगने वाले हुक कुछ ऐसे हों कि आसानी से दीवार में टांगे जा सकें और सही तरह से उनमें ज्यादा सामान आ सके।
- दरवाजे के ऊपर पोर्शन रखें, बशर्ते आपके ड्रैसिंग रूम की छत ऊंची हो। इसके ऊपर का स्थान सबसे अहम है क्योंकि उसे आप स्टोरेज के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।
- कॉर्ड कंट्रोल या वायर को घुमा कर रखने से ड्रायर, इलैक्ट्रिक शेवर्स और प्रैस रख सकती हैं।
- ड्रेसिंग टेबल के करीब अपने सभी छोटे मोटे सामान रखें। जिसकी आपको रोजाना जरूरत पड़ती है। सामान को धूल से बचाने के लिए सुंदर शोपीस का इस्तेमाल करें जिसमें अपनी पसंदीदा चीजें प्रदर्शित कर सकती हैं।
- गद्देदार कोट हैंगर पर नाजुक कपड़ों को लटकाएं। इससे वो लंबे समय तक खराब नहीं होंगे।
- कभी आपको अचानक यात्रा के लिए जाना पड़ जाए तो इसके लिए एक वानिटी - कैस हमेशा तैयार रखें।
- अच्छी तरह से संगठित अलमारी आपके कपड़ों को टिप टॉप हालत में रखती है।
- सुंदर लटके हुए कपास भंडारण बैग में अपने पसंदीदा अधोवस्त्र स्टोर किए जा सकते हैं।

सनमाइका लगा फर्नीचर देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है।

फर्नीचर पर लगी सनमाइका को चमकाने में काम आएंगे ये टिप्स

लोग घरों पर सनमाइका लगा फर्नीचर रखना पसंद करते हैं। यह देखने में सुंदर होने से घर की खूबसूरती पर चार-चांद लगते हैं। मगर इसे बेदाग और चमकदार बनाएं रखने के लिए खास रख-रखाव की जरूरत होती है। नहीं तो दाग लगा फर्नीचर गंदा लगता है। इसके साथ लंबे समय तक इसकी सफाई करने पर इसके जिद्दी दाग छुड़वाने में भी परेशानी हो सकती है। ऐसे में आज हम आपको कुछ खास व आसान से टिप्स बताते हैं। इसकी मदद से आप अपने फर्नीचर की सनमाइका चमकदार रख सकती है। चलिए जानते हैं इन उपायों के बारे में...

सोडा और डिश वॉश

आप सनमाइका की चमक बरकरार रखने के लिए सोडा और डिश वॉश को इस्तेमाल कर सकती है। इसके लिए एक गिलास पानी में 1-1 बड़ा चम्मच सोडा और डिश वॉश मिलाएं। इस मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरकर अच्छे से मिलाएं। इसके बाद अपने फर्नीचर पर मिश्रण को स्प्रे करें। बाद में सूखे और कॉटन के कपड़े से सनमाइका को हल्के से साफ करें। इससे आपका फर्नीचर एक साफ होकर नए जैसा चमकने लगेगा।

व्हाइट विनेगर और पानी

इसके लिए 1 गिलास सफेद सिरका और पानी बराबर मात्रा में मिलाएं। तैयार मिश्रण को स्प्रे बोतल में भरें। फिर इसे सनमाइका पर छिड़कें। इसके बाद सूखे व कॉटन के कपड़े लेकर हल्के हाथों से इसे साफ करें। इससे आपके सनमाइका पर लगी धूल-मिट्टी व दाग-धब्बे साफ हो जाएंगे। ऐसे में आपका फर्नीचर एकदम नए जैसा चमकता हुआ नजर आएगा।

क्लीनिंग सॉल्यूशन

आप ड्रेसिंग टेबल, सेंटर टेबल और खिड़की के शीशों आदि को साफ करने के लिए किसी भी क्लीनिंग सॉल्यूशन को यूज कर सकती है। आप बाजार से किसी भी अच्छे ब्रांड का क्लीनिंग सॉल्यूशन खरीद सकती है। इसके बाद इसे फर्नीचर पर स्प्रे करें और सूखे कपड़े से साफ करें। इससे फर्नीचर पर लगे दाग-धब्बे मिनटों में दूर हो जाएंगे और आपका सनमाइका भी शीशे के जैसे चमकता नजर आएगा।

अगर स्प्रे बोतल ना हो तो...

अगर आपके पास स्प्रे बोतल नहीं है तो इसकी जगह पर आप किसी भी मिश्रण बाउल में लें। फिर कॉटन के कपड़े को हल्का सा मिश्रण डुबोकर फर्नीचर को साफ करें। बाद में सूखे कपड़े से इसे साफ कर लें। आपका फर्नीचर चमक उठेगा।

चाय के साथ बनाएं चटपटे आलू ब्रेड रोल

मानसून में चाय के साथ अक्सर लोग कुछ चटपटा खाना पसंद करते हैं। ऐसे में आप आलू से चटपटे ब्रेड रोल बना सकती है। यह टेस्टी होने के साथ बनाने में भी आसान है। चलिए जानते हैं चटपटे आलू ब्रेड रोल बनाने का तरीका...

सामग्री

ब्रेड- 11
आलू- 6 (उबले और मैश्ड)
हरा धनिया- 2 बड़े चम्मच (बारीक कटा)
धनिया पाउडर- 1 छोटा चम्मच
अमचूर पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
लाल मिर्च पाउडर- 1/4 छोटा चम्मच
गरम मसाला- 1/4 छोटा चम्मच
नमक- स्वाद अनुसार
तेल- तलने के लिए

विधि

- पैन में तेल गर्म करके आलू व सभी मसाले डालकर भून लें।
- मिश्रण को हल्का ठंडा करके छोटे-छोटे बॉल्स बना लें।
- अब ब्रेड को किनारों से काटकर पानी में डुबोकर तुरंत निकाल लें।
- इसे हथेली से दबाकर ब्रेड से एक्सट्रा पानी निकाल लें।
- अब इसमें आलू की एक बॉल रखकर रोल बना लें।
- इसी तरह बाकी के ब्रेड रोल बनाएं।
- अलग पैन में तेल गर्म करके ब्रेड रोल सुनहरा बुरा होने तक तल लें।
- इसे प्लेट में रखकर नैपकिन से एक्सट्रा तेल निकाल लें।
- अब टोमैटो सॉस या धनिया की चटनी से इसे सर्व करें।

स्किन को ग्लोइंग रखते हैं करेले से बनें ये तीन फेस पैक

करेला जितना स्वाद में कड़वा लगता है यह सेहत के लिए उतना ही फायदेमंद होता है केवल खाने में नहीं बल्कि इसे लगाने से भी स्किन से संबंधित कई समस्याएं दूर होती है। बता दें कि करेला यह स्किन पर होने वाले पिंपल्स और एक्ने से हमें बचाता है और चेहरे पर नेचुरल ग्लो लेकर आता है। इसके अलावा करेले को सुपरफूड भी कहा जाता है। आईए जानते हैं करेला हमारी स्किन कैसे फायदेमंद है।

करेले के गुण

करेले में विटामिन-सी, आयरन, बीटा-केराटिन, पोटेशियम, कैल्शियम जैसे कई पोषक तत्व मौजूद होते हैं जो स्किन पर मौजूद बैक्टीरिया और कीटाणुओं हटाकर स्किन को ग्लोइंग लुक देते हैं। इसमें एंटीऑक्सीडेंट गुण पाएं जाते हैं जो एजिंग की प्रक्रिया को स्लो करने में मदद करता है। इसी के साथ आज हम आपको करेले के कुछ फेस पैक्स बताएंगे जो आप आसानी से घर पर बना सकते हैं। आईए जानते हैं करेले से बने फैस पैक के बारे में

खीरे से ऐसे बनाएं करेला फेस पैक

डल स्किन को रिमूव करने के लिए खीरे और करेले का फेस पैक बहुत ही बढ़िया है। खीरे में मौजूद पानी स्किन को साफ करने में मदद करता है। वहीं इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले और खीरे के कुछ टुकड़े लें और उसे मिक्सर में पीस लें। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाकर 15 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इस फेस पैक को लगाने से आपकी डल स्किन रिमूव होगी और चेहरा ग्लो करेगा।

अंडे-दही से बनाएं करेला फेस पैक

अंडा और दही स्किन को हाइड्रेट करने में बहुत ही मददगार है। दही में मौजूद लैक्टिक एसिड स्किन पोर्स को टाइट करता है और चेहरे की झुर्रियां कम होती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप करेले का रस लें और दही और अंडे में अच्छे से मिक्स कर लें। इसके बाद इसे चेहरे और गर्दन पर लगाएं और 25 मिनट के लिए छोड़ दें, बाद में इसे गर्म पानी से धो लें। I सिसे आपकी स्कीन टाइट और ग्लोंइंग लगेगी।

नीम हल्दी से बनाएं करेला फेस पैक

नीम में एंटीऑक्सीडेंट गुण भरपर पाएं जाते हैं जो स्किन को पिंपल्स और एक्ने से बचाने में मदद करता है। वहीं इसमें मौजूद हल्दी स्किन पर निखार लाने का काम करती है। इस फेस पैक को बनाने के लिए सबसे पहले आप ब्लेंडर में करेले, नीम और हल्दी को डाले और एक पेस्ट तैयार कर लें, इसके बाद में इसे चेहरे पर लगाएं और 10 मिनट के छोड़ दें, बाद में गुनगुने पानी से इसे धो लें। कुछ ही दिनों में आपको पिंपल्स और एक्ने की समस्या दूर हो जाएगी।

हमले की आंशका के चलते औरंगजेब के मकबरे की सुरक्षा कड़ी

हिंदू संगठनों द्वारा दी गई धमकी के बाद प्रशासन ने अलर्ट जारी किया

मुंबई।

समाजवादी पार्टी के नेता अबू आजमी द्वारा हाल ही में औरंगजेब के शासनकाल की तारीफ किए जाने के बाद उठा विवाद अब औरंगजेब के मकबरे तक पहुंच गया है। महाराष्ट्र के संभाजीनगर जिले में स्थित इस मकबरे पर भीड़ के धावा बोलने की आशंका को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है और वहां भारी पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

हिंदू संगठनों द्वारा औरंगजेब के मकबरे पर कारसेवा करने की धमकी के बाद सुरक्षा बढ़ा दी गई है। कई राजनीतिक नेताओं ने भी इस मकबरे को हटाने की मांग की है, जिससे कानून-व्यवस्था की स्थिति बिगड़ने का खतरा बढ़ गया है।

किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए मकबरे के बाहर स्टेट रिजर्व पुलिस फोर्स (एसआरएफ) को तैनात किया गया है। मकबरे में सीधी एंट्री पर रोक लगा दी गई है, और अगले आदेश तक वहां जाने के लिए विशेष अनुमति आवश्यक होगी।

राजनीतिक विवाद गहराया

महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी हाल ही में कहा था कि सरकार इस मकबरे को हटाने के पक्ष में है, लेकिन कांग्रेस शासन के दौरान इसे भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के संरक्षण में दे दिया गया था, जिससे इसे हटाना आसान नहीं है। इस बयान के बाद हिंदू संगठनों ने अपने विरोध को और तेज करते हुए मकबरे पर कारसेवा करने की धमकी दे दी।

असली समस्याओं से ध्यान भटकाने की चाल

विपक्ष का कहना है कि यह मुद्दा जानबूझकर उछाला जा रहा है ताकि जनता का ध्यान असली समस्याओं से हटाया जा सके। उद्धव सेना के नेता अंबादास दानवे ने सरकार पर मकबरे के रखरखाव के लिए फंड जारी करने के बावजूद इस तरह के भड़काऊ बयान देने का आरोप लगाया है। कांग्रेस विधायक कल्याण काले ने भी कहा कि यह मुद्दा निकाय चुनावों के मद्देनजर खड़ा किया गया है।

इतिहास बदलने से नहीं मिटेगा मकबरा- रामदास आठवले

एनडीए के सहयोगी और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले ने मकबरा गिराने की मांग को अतिवादी करार दिया है। उन्होंने कहा कि इतिहास को बदला नहीं जा सकता, और सरकार को मकबरे की सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए।

वर्तमान स्थिति को देखते हुए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। मकबरे की सुरक्षा बढ़ा दी गई है और भीड़ को वहां जाने से रोकने के लिए हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

मैं सियासत करता हूं और मेरे फैसले भी सियासी ही होंगे : इमरान मसूद

-होली खेलने पर देवबंदी उलेमा की नसीहत पर कांग्रेस सांसद ने दिया जवाब

सहारनपुर।

कांग्रेस सांसद इमरान मसूद के होली खेलने पर देवबंदी उलेमा ने उन्हें नसीहत दी है। इस पर मसूद ने कहा कि उनके और अल्लाह के रिश्ते में किसी की दखलंदाजी बर्दाश्त नहीं करेंगे। सांसद मसूद ने आतंकवाद और औरंगजेब पर अबू आजमी के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी।

बता दें होली पर इमरान मसूद ने अपने समर्थकों के साथ होली खेली थी। इस पर देवबंदी उलेमा मौलाना कारी इसहाक गोरा ने ने कहा था कि शरीयत के खिलाफ कोई काम नहीं करना चाहिए। मसूद ने इस पर कहा कि उन्हें किसी के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि वह सियासत करते हैं और उनके फैसले सियासी ही होंगे।

मौलाना कारी इसहाक गोरा ने एक वीडियो जारी कर कहा कि मुसलमान होने के नाते हमें शरीयत का पालन करना चाहिए।

भाईचारा बढ़ाने के और भी तरीके हैं, गैर-इस्लामी रस्में मनाना जरूरी नहीं। उन्होंने कहा कि ऐसे काम करने वालों को तौबा करनी चाहिए। गोरा ने मसूद का नाम लिए बिना यह बात कही थी।

इमरान मसूद ने गोरा के बयान पर कहा कि ला इलाहा इल अल्लाह मोहम्मद रसूलल्लाह कहने के बाद न मुझे किसी को कुछ साबित करने की जरूरत है। मेरे और अल्लाह के बीच मुझे किसी के सर्टिफिकेट की जरूरत नहीं है। यह अल्लाह का काम है कि मुझे क्या सजा देनी है।

इमरान मसूद ने अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि आतंकवादियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जो लोग दूसरों की जान लेते हैं, उन्हें जिंदा रहने का कोई हक नहीं। मसूद ने औरंगजेब पर अबू आजमी के बयान पर कहा कि मैंने अबू आजमी का बयान नहीं सुना है, लेकिन जिस तरह की चर्चा मीडिया में हो रही है, मुझे लगता है कि किसी को भी अधूरा ज्ञान नहीं रखना चाहिए।

पहले उन्हें पूरा ज्ञान लेना चाहिए। मैं ये पूछना चाहता हूं कि अगर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री या उपमुख्यमंत्री एफआईआर की मांग कर रहे हैं, तो क्या वहां की सरकार इतनी कमजोर है कि इन्हें पूछना पड़ रहा है?

हालांकि, वे किस बात के लिए देशद्रोह कहेंगे, क्या औरंगजेब बादशाह नहीं था?

वो पूरे 49 साल तक हिंदुस्तान का बादशाह रहा। मसूद ने कहा कि लोगों को पूरा ज्ञान होना चाहिए, तभी बयान देना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि औरंगजेब 49 साल तक बादशाह रहा, तो उसके बारे में बयान देने पर देशद्रोह कैसे लग सकता है?

मप्र के स्पेशल डीजी रेल मनीष शंकर का निधन, केंद्रीय मंत्री, सीएम ने जताया दुख

दिल्ली के अस्पताल में ली अंतिम सांस, भोपाल में होगा अंतिम संस्कार

भोपाल।

मध्य प्रदेश के सीनियर आईपीएस अफसर और स्पेशल डीजी रेल मनीष शंकर शर्मा का निधन हो गया है। उन्होंने दिल्ली के एक अस्पताल में अंतिम सांस ली। उनके आकस्मिक निधन की खबर से प्रदेश में शोक की लहर फैल गई। प्रदेश के वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्पेशल डीजी रेल और पूर्व मुख्य सचिव कृपाशंकर शर्मा के बेटे मनीष शंकर शर्मा का असमय निधन हो गया। वे इलाज करने दिल्ली गए थे, वहीं उन्होंने अंतिम सांस ली। उनके निधन पर केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान, सीएम डॉ मोहन यादव और पूर्व सीएम कमलनाथ ने गहरा दुख व्यक्त किया है। मनीष शंकर शर्मा की पार्थिव देह सोमवार सुबह भोपाल पहुंचा। ई-5 स्थित उनके निवास पर अंतिम दर्शन के लिए रखा। आज ही उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्यप्रदेश के विशेष पुलिस महानिदेशक, रेल मनीष शंकर शर्मा के असामयिक निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। पुलिस सेवा में तत्पर्य एक निष्ठावान, कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित अधिकारी का असमय चले जाना निश्चित ही प्रदेश और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर दिवंगत पुण्यात्मा को शांति प्रदान करें और शोकाकुल परिवारजनों यह गहन दु:ख सहन करने की शक्ति दें, यही प्रार्थना करता हूँ। विनम्र श्रद्धांजलि. ॐ शांति।

वहीं प्रदेश के सीएम डॉ मोहन यादव ने मनीष शंकर शर्मा के निधन का समाचार अत्यंत दुःखद है। मनीष जी एक कर्तव्यनिष्ठ और समर्पित पुलिस अधिकारी थे, जिन्होंने प्रशासनिक सेवा में अनुकरणीय योगदान दिया। उनका निधन पुलिस सेवा और समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति प्रदान करें और उनके परिवारजनों को इस कठिन समय में संबल दें। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व सीएम कमलनाथ ने भी मनीष शंकर शर्मा के निधन पर दुख जताया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को बताया साहसी नेता तो पाकिस्तान को धोखेबाज

-चीन से टकराव नहीं प्रतिस्पर्धा

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को एक साहसी नेता बताया है और वहीं दूसरी तरफ पाकिस्तान को धोखा देने वाला करार दिया है। दरअसल पीएम मोदी ने रविवार को अमेरिकन एआई रिसर्चर लेक्स फ्रिडमैन के पॉडकास्ट में शिरकत की। करीब तीन घंटे चली बातचीत में पीएम मोदी ने पाकिस्तान, चीन, अमेरिका, वैश्विक राजनीति, खेल, राजनीति और निजी जीवन से जुड़े मामलों पर अपनी बेबाकी से राय रखी।

इस बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने पाकिस्तान को लेकर कहा कि भारत ने शांति की हमेशा पहल की, लेकिन बदले में विश्वासघात ही मिला। उन्होंने कहा, कि 2014 में जब मैंने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी, तो मैंने पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को विशेष रूप से आमंत्रित किया था। हमें उम्मीद थी कि यह एक नए अध्याय की शुरुआत होगी, लेकिन हर शांति प्रयास के बदले हमें दुश्मनी वाला धोखा ही मिला। उन्होंने यह भी कहा कि पाकिस्तान की जनता शांति चाहती है, लेकिन वहां की सरकारें लगातार उकसावे वाली नीति अपनाती रही हैं।

चीन से टकराव नहीं प्रतिस्पर्धा

पीएम मोदी ने भारत-चीन संबंधों को लेकर कहा कि दोनों देशों को टकराव से बचते हुए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मेरी बैठक के बाद हमने सीमा पर सामान्य स्थिति की वापसी देखी है। हम 2020 से पहले की स्थिति बहाल करने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। विश्वास बनने में समय लगेगा, लेकिन हम बातचीत के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि 21वीं सदी एशिया की सदी है, और भारत-चीन को मिलकर आगे बढ़ना चाहिए।

संयुक्त राष्ट्र और वैश्विक संस्थाओं पर मोदी की राय

पीएम मोदी ने वैश्विक संस्थाओं की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र जैसे संगठन अपनी प्रासंगिकता खोते जा रहे हैं। उन्होंने कहा, कि कोविड महामारी ने दुनिया की सीमाओं को उजागर किया है, लेकिन इससे सीखने के बजाय दुनिया और अधिक विखंडित हो गई है। वैश्विक नियमों को लागू करने में अंतरराष्ट्रीय संगठन विफल रहे हैं। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि जो देश वैश्विक नियमों का पालन नहीं करते, उनके खिलाफ ठोस कदम उठाने की जरूरत है।

ट्रम्प एक साहसी नेता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तारीफ करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें साहसी नेता बताया। उन्होंने कहा कि ट्रम्प ने कई मौकों पर निर्णायक फैसले लिए, जिससे वैश्विक राजनीति में उनका प्रभाव बढ़ा है। उनके फैसले बताते हैं कि वो एक साहसी नेता हैं।

प्रधानमंत्री मोदी का यह इंटरव्यू कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर भारत की स्थिति स्पष्ट करता है। उन्होंने पाकिस्तान के साथ संबंधों की सच्चाई बताई, चीन के साथ प्रतिस्पर्धा की जरूरत पर बल दिया और वैश्विक संस्थाओं की प्रासंगिकता पर सवाल उठाए। उनका यह बयान अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत की सक्रिय भूमिका को दर्शाता है।

माता वैष्णो देवी के भक्तों ने तोड़े रिकोर्ड, चढ़ाया करोड़ों का खजाना

जम्मू । माता वैष्णो देवी मंदिर में तीर्थयात्रियों के दान में पिछले 5 वर्षों में काफी वृद्धि हुई है। माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अनुसार वित्तीय वर्ष 2024-25 (जनवरी तक) में दान की राशि 171.90 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है, जो कि वित्तीय वर्ष 2020-21 में 63.85 करोड़ रुपये थी। इस दौरान चढ़ावे में भी उल्लेखनीय बढ़ोतरी देखने को मिली है। मंदिर में चढ़ाए गए सोने की मात्रा 9 किलोग्राम से बढ़कर 27.7 किलोग्राम हो गई है, जबकि चांदी का चढ़ावा 753 किलोग्राम से बढ़कर 3,424 किलोग्राम तक पहुंच गया है। यह जानकारी जम्मू के एक आरटीआई कार्यकर्ता द्वारा दायर याचिका के जवाब में श्राइन बोर्ड ने प्रदान की। मंदिर बोर्ड ने बताया कि दान की राशि वित्तीय वर्ष के अनुसार इस प्रकार है-

2020-21- 63.85 करोड़ रुपए
2021-22- 166.68 करोड़ रुपए
2022-23- 223.12 करोड़ रुपए
2023-24- 231.50 करोड़ रुपए
2024-25 (जनवरी तक)- 171.90 करोड़ रुपये

बिहार में मटका फोड़ने को लेकर हुए विवाद और पथराव में कई घायल

जहानाबाद। बिहार के जहानाबाद में हुए होली के मौके पर पुलिसकर्मियों पर हमले की घटना ने राज्य को अशांति में डाल दिया है। मामला नगर थाना क्षेत्र के सदर अस्पताल के समीप नया टोला मोहल्ले में हुआ था, जहां होली के बाद मटका फोड़ने को लेकर हुए विवाद और पथराव में कई लोग घायल हो गए। घटना के दौरान एक पुलिसकर्मी विकास कुमार को भी चोट आई। पुलिस ने मौके पर उपस्थित रहकर बीच-बचाव करने की कोशिश की, मगर लोगों ने पुलिस पर भी हमला बोल दिया। बिहार में हाल ही में हुई दो एएसआई की हत्याएं इस मामले को और भी गंभीर बना देती हैं। एसडीपीओ दलबल के साथ मौके पर पहुंचे अधिकारी ने छह लोगों को हिरासत में लिया और दोषियों की पहचान के लिए कार्रवाई का भी वादा किया। हालांकि, बिहार में बढ़ती हिंसा और अपराधों के सवाल पर नेता तेजस्वी यादव ने सरकार को आलोचना की और बिहारी नागरिकों की सुरक्षा के मुद्दे पर उठाया सवाल। बिहार के राजनीतिक माहौल में उग्रता के इस दौर में सरकार की कड़ी कार्रवाई की ज़रूरत है ताकि लोगों की सुरक्षा और न्याय की कड़ी मिशन पर पहुंच सके।

चंद्रयान- 5 मिशन को केंद्र की मंजूरीः 250 किलोग्राम का रोवर ले जाएगा, चंद्रयान- 3 से 10 गुना ज्यादा वजनी

बेंगलुरु।

केंद्र सरकार ने चंद्रयान-5 मिशन को मंजूरी दे दी है। इस आशय की जानकारी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के अध्यक्ष वी नारायणन ने एक कार्यक्रम के दौरान दी है। वे बेंगलुरु में इसरो प्रमुख का पदभार संभालने के बाद रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में हिस्सा ले रहे थे।

यहां इसरो अध्यक्ष वी नारायणन ने चंद्रयान-5 मिशन के बारे में बताया कि तीन दिन पहले ही इस महत्वाकांक्षी मिशन को स्वीकृति मिली है और इसमें जापान भारत का सहयोगी होगा।

चंद्रयान-5 का भारी-भरकम रोवर

चंद्रयान-5 मिशन में 250 किलोग्राम वजन का रोवर भेजा जाएगा, जो कि चंद्रयान-3 के रोवर प्रज्ञान (25 किलोग्राम) की तुलना में 10 गुना अधिक वजनी होगा। इसका मुख्य उद्देश्य चंद्रमा की सतह का विस्तृत अध्ययन करना है।

चंद्रयान-4 मिशन पर भी तेजी से काम जारी

इसरो अध्यक्ष ने आगे बताया कि 2027 में लॉन्च किए जाने वाले चंद्रयान-4 मिशन का लक्ष्य चंद्रमा की मिट्टी और चट्टानों के नमूने इकट्ठा कर पृथ्वी पर वापस लाना है। केंद्र सरकार ने पिछले साल सितंबर में इस मिशन को मंजूरी दी थी, जिसकी कुल लागत 2104 करोड़ रुपये अनुमानित है।

चंद्रयान-4 के मॉड्यूल और लॉन्च डिटेल्स

चंद्रयान-4 मिशन में कुल पांच अलग-अलग मॉड्यूल होंगे, जिनमें प्रथम, एसेंडर मॉड्यूल- जो चंद्रमा की सतह से नमूने एकत्र करेगा। दूसरा, डिसेंडर मॉड्यूल- चंद्रमा पर उतरकर सैंपल कलेक्शन में मदद करेगा। तीसरा, प्रपल्शन मॉड्यूल- जो स्पेसक्राफ्ट को आगे बढ़ाने का कार्य करेगा। चौथा, ट्रांसफर मॉड्यूल- जो नमूने को होल्ड करेगा। और पॉचवां, री-एंट्री मॉड्यूल- जो चंद्रमा के नमूनों को सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाएगा।

इस मिशन के लिए दो अलग-अलग रॉकेट्स का उपयोग किया जाएगा–इसरो का हैवी-लिफ्टर एलवीएम-3 और विश्वसनीय पीएसएलवी, जो विभिन्न पेलोड को लेकर जाएंगे।

भारत के भविष्य के अंतरिक्ष मिशन

इसरो अध्यक्ष ने बताया कि चंद्रयान-5 और चंद्रयान-4 के अलावा, भारत अपने मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन गगनयान और अंतरिक्ष में अपने स्वयं के स्पेस स्टेशन की स्थापना पर भी तेजी से कार्य कर रहा है। चंद्रयान-5 की मंजूरी और इसके महत्वाकांक्षी उद्देश्यों से भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमता को नई ऊंचाइयां मिलने की उम्मीद है।

संसद का दूसरा चरण शुरु, विपक्ष कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की तैयारी में

नई दिल्ली।

संसद का बजट सत्र आज यानी सोमवार से दोबारा शुरू हो गया, जिसमें लोकसभा और राज्यसभा की बैठकें हुई। होली के चलते बीते बुधवार को दोनों सदनों की कार्यवाही 17 मार्च तक स्थगित कर दी गई थी। बजट सत्र के इस दूसरे चरण में लोकसभा में प्रमुख रिपोर्टों और रेलवे अनुदान पर चर्चा हुई। इसके अलावा, सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयकों को भी पेश कर सकती है। संसद के इस सत्र में विपक्ष भी कई मुद्दों पर सरकार को घेरने की रणनीति बना रहा है। टीएमसी राज्यसभा और लोकसभा में पश्चिम बंगाल के फर्जी वोटर लिस्ट का मुद्दा उठाएगी। कांग्रेस सांसद मणिकम टैगोर ने लोकसभा में कार्यस्थगन प्रस्ताव पेश कर नीट पेपर लीक समेत परीक्षा पेपर लीक पर चर्चा कराने की मांग की है।

जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी, बर्फ में फंसे कई पर्यटक

गांदरबल। जम्मू-कश्मीर में बर्फबारी के कारण कई पर्यटक बर्फ में फंसे हुए हैं। इस मुश्किल समय में गांदरबल पुलिस सोनमर्ग और गुंड इलाकों में फंसे यात्रीगण की मदद के लिए सक्रिय है। विशेष टीमें बनाई गई हैं जो बर्फ में फंसे वाहनों को सुरक्षित निकालने और जरूरतमंदों को मदद पहुंचाने के लिए काम कर रही हैं। पुलिस को एक्सएचओ गुंड लतीफ अली की प्राशंसा मिली है। पुलिस ने अपील की है कि लोग सोनमर्ग की यात्रा के दौरान सावधानी बरतें और सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करें। यात्रीगण ने पुलिस की मदद के लिए शुक्रिया व्यक्त किया है, कहते हैं कि उनकी जान बचाने में पुलिस का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। दिल्ली से आए एक पर्यटक ने कहा कि कठोर मौसम के बावजूद पुलिस हमारी सुरक्षा सुनिश्चित करने में शानदार काम कर रही है। वह एक समूह के साथ फंस गया था। चंडीगढ़ से आए एक पर्यटक ने कहा कि हम पुलिस से इससे ज्यादा मदद नहीं मांग सकते थे उनकी समय पर की गई मदद ने हमारी जान बचाई। गंदेरबल पुलिस ने लोगों से सोनमर्ग की यात्रा के दौरान सावधानी बरतने और सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया है, क्योंकि मौसम की स्थिति अप्रत्याशित है।

स्टालिन बोले- सीतारमण ने भी रुपए का तमिल सिंबल इस्तेमाल किया

वित्त मंत्री बोलीं- जब ₹ बना, तब विरोध क्यों नहीं किया

चैन्नई।

तमिलनाडु के बजट में रुपए के सिंबल ₹ को तमिल भाषा के ரூ सिंबल से रिप्लेस करने पर भाजपा डीएमके सरकार पर लगातार हमलावर है। इस बीच मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अपनी सरकार का बचाव किया।

स्टालिन ने रविवार को कहा कि केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भी रुपए के सिंबल ₹ की जगह तमिल सिंबल ரூ का उपयोग किया था।

यह कोई इतना बड़ा मुद्दा नहीं है। उन्होंने कहा कि तमिल भाषा का विरोध करने वाले इसे बढ़ा-चढ़ाकर पेश कर रहे हैं। यह उनकी सरकार की तमिल भाषा के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

दरअसल, सिंबल बदलने पर वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने राज्य सरकार का विरोध किया था। उन्होंने कहा था कि सभी निर्वाचित प्रतिनिधि और अधिकारी हमारे राष्ट्र की संप्रभुता और अखंडता को बनाए रखने के लिए संविधान की शपथ लेते हैं।

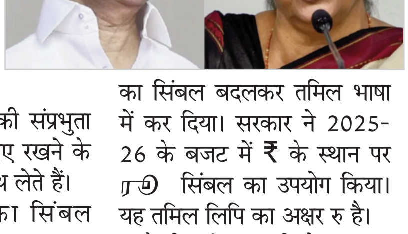

बजट में रुपए का सिंबल बदलने को लेकर विवाद

नई शिक्षा नीति (एनईपी) और ट्राय लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर तमिलनाडु और केंद्र सरकार के बीच विवाद चल रहा है।

इस बीच, तमिलनाडु की स्टालिन सरकार ने 13 मार्च को पेश किए गए राज्य के बजट से ₹ का सिंबल बदलकर तमिल भाषा में कर दिया। सरकार ने 2025-26 के बजट में ₹ के स्थान पर ரூ सिंबल का उपयोग किया। यह तमिल लिपि का अक्षर रु है।

केंद्रीय वित्त मंत्री ने इस पर सवाल उठाते हुए पूछा कि जब 2010 में रुपए का आधिकारिक सिंबल (₹) बनाया गया था, तब डीएमके ने इसका विरोध क्यों नहीं किया?कुल मिलाकर यह भाषाई विवाद किसी तरह थमने का नाम नहीं ले रहा है।

हरियाणा में यूपी वाला फार्मूला, राज्य के कुल 22 जिलों में 27 जिलाध्यक्ष बनाए

गुरुग्राम।

बीजेपी के 27 नए जिलाध्यक्ष घोषित

हरियाणा में भाजपा ने जिलाध्यक्षों की नियुक्ति कर दी है। पार्टी ने राज्य के कुल 22 जिलों में 27 जिलाध्यक्ष बनाए हैं। ऐसा पहली बार हुआ है, जब 5 जिलाध्यक्ष अतिरिक्त घोषित किए हैं। बीजेपी नेतृत्व का मानना है कि इससे संगठन को मजबूत करने में मदद मिलेगी। जारी अधिसूचना में बताया गया है कि पंचकूला के जिलाध्यक्ष अजय मित्तल बने है। इसके अलावा अनिल विज का गढ़ अंबाला जिले में संगठन की कमान मंदीप राणा संभालने वाले है। यमुनानगर से राजेश सपरा को मौका दिया गया है। वहीं कुरुक्षेत्र से सरदार तेजेंद्र गोल्डी पार्टी की कमान संभालने वाले है। कैथल में महिला नेतृत्व चुना गया है। यहां ज्योति सैनी जिलाध्यक्ष होंगी। इसके अलावा करनाल में प्रवीण लाठर, पानीपत में दुष्यंत भट्ट, सोनीपत में अशोक भारद्वाज, गोहाल में बिजेंद्र मलिक जिलाध्यक्ष बनाए गए है। पार्टी ने जो 5 नए जिले बनाए हैं, उसमें हांसी शामिल है, जिसे हिसार से अलग किया गया है। इसके अलावा सोनीपत से अलग गोहाना, सिरसा से अलग डबवाली, फरीदाबाद से अलग बल्लभगढ़, गुरुग्राम से अलग पटौदी जिले बने हैं। ये जिले संगठन की दृष्टि से कामकाज को मजबूत करने के लिए सृजित किए गए हैं। दरअसल गुरुग्राम, सोनीपत, फरीदाबाद जैसे जिलों की आबादी काफी घनी है। इसके अलावा सिरसा और हिसार बड़े जिले हैं। इसके बाद कुछ हिस्से को अलग करके संगठन के नजरिए से नए जिले का सृजन किया गया है। अब तक भाजपा यूपी में ऐसी रणनीति पर अमल करती रही है। जैसे गाजियाबाद, नोएडा, कानपुर और लखनऊ जैसे शहरों में जिलाध्यक्ष के अलावा महानगर अध्यक्ष भी बनाए जाते रहे हैं, ताकि शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में अलग-अलग ढंग से काम किया जा सके। भाजपा ने अपनी सूची में ओबीसी समाज को प्राथमिकता दी है। गुर्जर, सैनी, जाट समाज के कई नेताओं को जिलाध्यक्ष बनाया गया है। वहीं सिख समुदाय से ताल्लुक रखने वाले सरदार गोल्डी को कुरुक्षेत्र की कमान दी गई है।

मुंबई में सड़क किनारे सो रहे व्यक्ति को जेसीबी ने कुचला

पुलिस वाहन चालक की तलाश में जुटी

मुंबई।

मुंबई के विले पार्ले में सड़क किनारे सो रहे एक 55 वर्षीय व्यक्ति को एक जेसीबी ने कुचल दिया। घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। जुहू पुलिस ने अज्ञात चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस फरार चालक की तलाश कर रही है।

जुहू पुलिस के मुताबिक, नंबाकबंदी करते समय एक व्यक्ति उनके पास आया और उसने बताया कि एक व्यक्ति खून से लतपथ सड़क किनारे पड़ा है। इसके बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने तुरंत इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने घटना स्थल पर मौजूद सीसीटीवी कैमरा चेक किया। सीसीटीवी फुटेज में सड़क निर्माण कार्य में लगी जेसीबी को देखा गया।

चालक ने रिवर्स लेते समय सड़क किनारे सो रहे व्यक्ति पर जेसीबी को चढ़ा दिया। इसके बाद वे मौके से फरार हो गया। पुलिस ने जेसीबी चालक के खिलाफ केस दर्ज कर उसकी तलाश में शुरू कर दी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

300 कथित अपराधियों को अल सल्वाडोर निर्वासित करेगा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन वेनेजुएला के ट्रेन डे अरागुआ गिरोह के लगभग 300 कथित सदस्यों को एक वर्ष के लिए कारावास में रखने के लिए अल साल्वाडोर को 60 लाख डॉलर का भुगतान करेगा। अल साल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले और अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो के बीच अल साल्वाडोर की कुख्यात जेलों में प्रवासियों को रखने के समझौते के बाद यह पहली बार है, जब अमेरिका से अपराधियों को अल सल्वाडोर भेजा जाएगा। वेनेजुएला के ट्रेन डे अरागुआ गिरोह को ट्रंप आतंकी संगठन कह चुके हैं। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि किस तरह से 300 लोगों की इस खूंखार गिरोह के सदस्यों के रूप में पहचान की गई है।

ऑस्ट्रेलिया में बेबी वॉम्बैट को मां से छीनने वाली इंफ्लुएंसर ने माफी मांगी

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया में घूमने के दौरान एक बेबी वॉम्बैट को उसकी मां से छीनने का वीडियो पोस्ट करने के बाद और इसे लेकर लोगों की नाराजगी झेलने के बाद अमेरिका की सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर सैम जोंस ने माफी मांग ली है। दरअसल जोंस ने एक वीडियो सोशल मीडिया पर साझा किया था, जिसमें वह एक वॉम्बैट से उसके बच्चे को दूर ले जाती दिख रही है, जिससे मां वॉम्बैट परेशान हो गई। हालांकि बाद में जोंस ने बच्चे को उसकी मां के पास वापस छोड़ दिया। लेकिन इसे लेकर सोशल मीडिया पर लोगों ने नाराजगी जताई और कहा कि एक बच्चे को उसकी मां से छीनना गलत है। ऑस्ट्रेलिया के पीएम समेत कई शीर्ष नेताओं ने भी इस पर नाराजगी जताई थी और कार्रवाई की बात कही थी। अब मामला बढ़ता देख जोंस ने माफी मांग ली है। जोंस ने कहा कि उसने बच्चे को चुराने या उसे नुकसान पहुंचाने के मकसद से ऐसा नहीं किया था।

आयोवा और ओकलाहोमा के खिलाफ लाए गए मुकदमों को खारिज कराएगा ट्रंप प्रशासन

न्यूयार्क, एजेंसी। ट्रंप प्रशासन ने शुक्रवार को बाइडन प्रशासन के न्याय विभाग द्वारा आयोवा और ओकलाहोमा के खिलाफ लाए गए मुकदमों को खारिज करने के लिए कदम उठाया। इन मुकदमों में राज्यों के आव्रजन कानूनों को चुनौती दी गई थी। इसके तहत किसी व्यक्ति के लिए राज्य में रहना अपराध है यदि वह अवैध रूप से अमेरिका में है। देश भर के रिपब्लिकन गवर्नर और सांसदों ने तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडन पर संघीय आव्रजन कानून को लागू करने और दक्षिणी सीमा का प्रबंधन करने में विफल रहने का आरोप लगाया था। जवाब में आयोवा और ओक्लाहोमा ने ऐसे ही कानून बनाए, जो राज्य और स्थानीय अधिकारियों को उन लोगों को गिरफ्तार करने और उन पर आरोप लगाने की अनुमति देते हैं जिनके पास निर्वासन के आदेश लंबित हैं या जिन्हें पहले अमेरिका से निकाल दिया गया था या प्रवेश से वंचित कर दिया गया था।

दूरसंचार ठगी में शामिल 2,800 नागरिकों को वापस भेजा गया चीन

बीजिंग, एजेंसी। म्यांमार–थाईलैंड सीमा पर दूरसंचार घोटाले में गिरोह का हिस्सा रहे 2,800 से अधिक चीनी दूरसंचार धोखाधड़ी संदिग्धों को मुकदमे के लिए चीन वापस भेजा गया। ये स्थानीय और विदेशी लोगों को झूठे वादे कर म्यांमार–थाईलैंड सीमा पर ले जाते थे। चीन के सुरक्षा मंत्रालय ने बताया, यह अभियान 20 फरवरी से चल रहा है। पिछले महीने, एक अदालत ने सीमा पार टेलीकॉम धोखाधड़ी के मामलों में शामिल चार दोषियों को आजीवन कारावास की सजा दी थी। यह कदम ऐसे गिरोह के खिलाफ चीन की सख्त कार्रवाई का हिस्सा है।

वित्तपोषित मीडिया संगठनों के कर्मचारियों को निकालने के आदेश पर ट्रंप के हस्ताक्षर

वाशिंगटन, एजेंसी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को वॉयस ऑफ अमेरिका और अन्य सरकारी वित्तपोषित मीडिया संस्थानों में छंटनी करना शुरू कर दिया। जिसके बाद अमेरिकी मीडिया संस्थान ङ्क्ष्व के सभी कर्मचारियों को छुट्टी पर भेज दिया गया है। ट्रंप ने अपने प्रशासन को कई एजेंसियों के कामों को न्यूनतम करने का निर्देश दिया। जिन संस्थानों में छंटनी की गई है, उनमें यूएस एजेंसी फॉर ग्लोबल मीडिया शामिल है, जिसमें वॉयस ऑफ अमेरिका, रेडियो फ्री यूरोप और एशिया और रेडियो मार्टी शामिल हैं, जो क्यूबा में स्पेनिश भाषा के समाचार प्रसारित करता है। शनिवार की सुबह अमेरिकी सीनेट उम्मीदवार कैरी लेक, जिन्हें ट्रम्प ने अपना वरिष्ठ सलाहकार नामित किया था, ने एक्स पर पोस्ट किया कि कर्मचारियों को अपना ईमेल चेक करना चाहिए।

सर्बिया के राष्ट्रपति और सरकार के खिलाफ विरोध रैली, एक लाख+ लोग शामिल हुए

बेलग्रेड , एजेंसी। दक्षिण पूर्वी यूरोपीय देश सर्बिया में सरकार के खिलाफ जनाक्रोश बढ़ रहा है। राष्ट्रपति अलेक्जेंडर वुसिक और उनकी सरकार के खिलाफ महीनों से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के अंतिम चरण में एक विशाल रैली का आयोजन हुआ। शनिवार को हुई इस रैली में कम से कम एक लाख लोग बेलग्रेड में एकत्र हुए। बारिश के बावजूद झंडे लहराते प्रदर्शनकारियों ने राजधानी के मुख्य इलाके को जाम कर दिया। पुलिस ने बताया कि विरोध प्रदर्शन के चरम पर 1.07 लाख लोगों की भीड़ जुटी। सर्बियाई स्वतंत्र मीडिया ने इस रैली को देश में अब तक की सबसे बड़ी रैली बताया। यह रैली राष्ट्रव्यापी भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन का हिस्सा थी। बता दें कि नवंबर में सर्बिया के उत्तर में एक रेलवे स्टेशन पर कंक्रीट की छत गिरने से 15 लोगों की मौत हो गई थी।

अमेरिका ने यमन में हूती विद्रोहियों पर एयरस्ट्राइक की:21 की मौत

ट्रम्प बोले– तुम्हारा वक्त पूरा हुआ, हम आसमान से कहर बरसाएंगे

सना, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने शनिवार को यमन में हूती विद्रोहियों पर एयरस्ट्राइक की। इस हमले में 21 लोगों की जान गई है। डोनाल्ड ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद यह अमेरिका की हूती विद्रोहियों पर पहली बड़ी कार्रवाई है। इसके बारे में ट्रम्प ने सोशल मीडिया पोस्ट किया। उन्होंने लिखा- हूती आतंकियों, तुम्हारा वक्त पूरा हो गया है। अमेरिका तुम पर आसमान से ऐसी तबाही बरसाएगा, जो पहले कभी नहीं देखी होगी। दरअसल, यह कार्रवाई रेड सी में अमेरिकी जहाजों पर किए गए हूती हमलों के जवाब में की गई है। चार महीने पहले हूती विद्रोहियों ने रेड सी में अमेरिकी वॉरशिप पर कई हमले किए थे।

ट्रम्प की ईरान को चेतावनी– अपनी सेना पर हमले बर्दाश्त नहीं करेंगे : ट्रम्प ने कहा कि इन हूती आतंकियों को ईरान फंड कर रहा है। ये आतंकी अमेरिकी विमानों पर मिसाइलें दाग रहे हैं और हमारे सैनिकों और सहयोगियों को निशाना बना रहे हैं। इन हमलों से अमेरिका और ग्लोबल इकोनॉमी को अरबों डॉलर का नुकसान हुआ है और बेगुनाह लोगों की जान खतरे में पड़ी है। ईरान को चेतावनी देते हुए ट्रम्प ने कहा कि हूती आतंकियों को समर्थन देना बंद करो। अमेरिका को, उसके राष्ट्रपति को धमकाने की कोशिश मत करो। अगर तुमने ऐसा किया तो अमेरिका तुम्हें पूरी तरह से जिम्मेदार ठहराएगा और हम इसे हल्के में नहीं लेंगे!

ट्रम्प बोले– बाइडेन ने कभी शक्ति के साथ जवाब नहीं दिया : ट्रम्प ने कहा कि इन हमलों के खिलाफ जो बाइडेन ने कभी ताकत के साथ कार्रवाई नहीं की, इसलिए हूती बेखौफ होकर हमले करते। आखिरी बार किसी अमेरिकी जहाज को सुरक्षित तरीके से स्वेज नहर, रेड सी या अदन की खाड़ी से गुजरे हुए एक साल हो गया है। लेकिन अब अमेरिकी जहाजों पर हूती हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

हूती विद्रोही बोले– हम अमेरिका को बराबर का जवाब देंगे : अमेरिकी हमले के बाद हूती विद्रोहियों ने कहा कि वो अमेरिका के हमले का जवाब देंगे। उन्होंने अल-मसीराह टीवी चैनल पर जारी बयान में कहा कि हमारी यमनी सेनाएं पूरी तरह तैयार हैं। अगर अमेरिका हमारे खिलाफ कार्रवाई बढ़ाता है, तो हम भी उसी स्तर पर जवाब देंगे। फिलिस्तीनी संगठन हमास ने शनिवार को अमेरिकी हमलों की निंदा की। हमास ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन और देश की संप्रभुता और स्थिरता पर हमला करार दिया।

कौन हैं हूती विद्रोही : साल 2014 में यमन में गृह युद्ध शुरू हुआ। इसकी जड़ शिया-सुन्नी विवाद है। कार्नेजी मिडिल ईस्ट सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों समुदायों में हमेशा से विवाद था जो 2011 में अरब क्रांति की शुरुआत से गृह युद्ध में बदल गया। 2014 में शिया विद्रोहियों ने सुन्नी सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। इस सरकार का नेतृत्व राष्ट्रपति अब्दरब्बू मंसूर हादी कर रहे थे। हादी ने अरब क्रांति के बाद लंबे समय से सत्ता पर काबिज पूर्व राष्ट्रपति अली अब्दुल्ला सालेह से फरवरी 2012 में सत्ता छीनी थी। हादी देश में बदलाव के बीच स्थिरता लाने के लिए जूझ रहे थे। उसी समय सेना दो फाड़ हो गई और अलगाववादी हूती दक्षिण में लामबंद हो गए। अरब देशों में दबदबा बनाने की होड़ में ईरान और सऊदी अरब भी इस गृह युद्ध में कूद पड़े। एक तरफ हूती विद्रोहियों को शिया बहुल देश ईरान का समर्थन मिला। तो सरकार को सुन्नी बहुल देश सऊदी अरब का। देखते ही देखते हूती के नाम से मशहूर विद्रोहियों ने देश के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया। 2015 में हालात ये हो गए थे कि विद्रोहियों ने पूरी सरकार को निर्वासन में जाने पर मजबूर कर दिया था। ईरान से मिल रहे समर्थन की बदौलत हूती विद्रोही एक ट्रेंड लड़ाका दल में बदल चुके हैं। हूती विद्रोहियों के पास आधुनिक हथियार और यहां तक कि अपने हेलिकॉप्टर भी हैं।

अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंचा क्रू-10 मिशन

वॉशिंगटन, एजेंसी। नासा और स्पेसएक्स का क्रू-10 मिशन अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच गया है। फैल्कन 9 रॉकेट में गए इस मिशन के चारों सदस्य अंतरिक्ष स्टेशन पर पहुंच गए हैं। डॉकिंग और हैच खुलने के बाद चारों अंतरिक्ष यात्रियों ने क्रू-9 मिशन के अंतरिक्ष यात्रियों से मुलाकात की। वहीं नासा के मुताबिक बुधवार को नौ महीने से अंतरिक्ष में फंसी सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर धरती के लिए रवाना होंगे। नासा और स्पेसएक्स का क्रू-10 मिशन शनिवार को फैल्कन 9 रॉकेट के जरिये अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना हुआ था। इस मिशन में एन मैक्लेन, निकोल आयर्स, जापानी अंतरिक्ष यात्री तकुया ओनिशी और रूसी अंतरिक्ष यात्री किरिल पेस्कोव गए हैं। बताया जाता है कि क्रू-10 मिशन अंतरराष्ट्रीय स्टेशन पर पहुंच गया है। सफल डॉकिंग और हैच खुलने के बाद चारों अंतरिक्ष यात्रियों ने स्टेशन में प्रवेश किया। उन्होंने बुच विल्मोर और सुनीता विलियम्स से मुलाकात की। अगले कुछ दिन तक विल्मोर और विलियम्स नए अंतरिक्ष यात्रियों को स्टेशन के बारे में जानकारी देंगे। फिर वे दोनों इस सप्ताह के अंत में अपने स्पेसएक्स कैप्सूल में सवार होकर धरती के लिए रवाना होंगे। नासा का कहना है कि मौसम अनुकूल रहा तो विल्मोर, विलियम्स और दो अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को ले जाने वाला स्पेसएक्स कैप्सूल बुधवार से पहले अंतरिक्ष स्टेशन से अलग हो जाएगा और फ्लोरिडा के तट पर उतरेगा। 5 जून 2024 को नासा का बोइंग क्रू फ्लाइट टेस्ट मिशन लॉन्च किया गया था। इस मिशन के तहत नासा ने अपने दो अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बैरी बुच विल्मोर को आठ दिन की यात्रा पर भेजा।

बांग्लादेश व पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार पर यूएन संस्था ने की चर्चा, वैश्विक हस्तक्षेप की मांग

जेनेवा, एजेंसी। संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 58वें सत्र के दौरान जेनेवा में ग्लोबल ह्यूमन राइट्स डिफेंस ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर अत्याचार विषय पर एक चर्चा आयोजित की। यह आयोजन ब्रोकन चेयर स्थल पर किया गया, जहां भारत की सामाजिक कार्यकर्ता रोहिणी घावरी समेत विश्वभर के मानवाधिकार प्रतिनिधियों ने बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं व अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर बढ़ते उत्पीड़न पर प्रकाश डाला। ग्लोबल ह्यूमन राइट्स डिफेंस (जीएचआरडी) एक अंतरराष्ट्रीय गैर-सरकारी संगठन है, जिसका मुख्यालय नीदरलैंड के हेग में है। यह संगठन वैश्विक स्तर पर मानवाधिकारों की वकालत और सुरक्षा के लिए समर्पित है। जातीय, भाषाई और धार्मिक अल्पसंख्यकों के व्यापक मानवाधिकार उल्लंघन मामलों पर इसका खास ध्यान है। एनजीओ ने अपने बयान में कहा कि यह आयोजन का उद्देश्य सरकारों और वैश्विक संस्थाओं की ओर से नजरअंदाज किए जा रहे धार्मिक व जातीय अल्पसंख्यकों के संघर्ष पर ध्यान आकर्षित करना है। रोहिणी घावरी ने कहा, बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा चिंताजनक स्तर पर पहुंच गई है। धर्म के नाम पर लोग एक-दूसरे की हत्या कर रहे हैं। उन्होंने यूएन के सामने लगाए गए विरोध शिविर का जिक्र करते हुए कहा कि ईसाई, बौद्ध और हिंदू समुदायों के लोग एकजुट होकर दुनिया का ध्यान खींच रहे हैं।

पाकिस्तान में लश्कर-ए-तैयबा का मोस्ट वांटेड आतंकी मारा गया

इस्लामाबाद, एजेंसी। लश्कर-ए-तैयबा का मोस्ट वांटेड आतंकी अबू कताल शनिवार रात पाकिस्तान में मारा गया। पंजाब जिले में अनजान हमलावरों ने गोली मारकर उसकी हत्या कर दी। अबू कताल 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मास्टरमाइंड हाफिज सईद का करीबी था। कताल एलईटी का अहम सदस्य था और जम्मू-कश्मीर में कई हमलों की साजिश रचने के लिए जाना जाता था। पिछले साल 9 जून को जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में शिवखोड़ी मंदिर से लौट रहे तीर्थयात्रियों की बस पर हमले में भी कताल का हाथ था। इसमें 10 लोगों की जान गई थी।

हाफिज सईद के मरने की भी खबरें आईं, खंडन हुआ : सोशल मीडिया पर ऐसी खबरें भी चल रही हैं कि इस हमले में आतंकी हाफिज सईद भी मारा गया है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने लिखा कि जब अबू कताल अपनी कार से झेलम इलाके से गुजर रहा था, तो बाइकसवारों ने कार पर ओपन फायर कर दिया। इस हमले में अबू कताल मारा गया, जबकि कार में मौजूद हाफिज सईद घायल हुआ था। बाद में उसकी भी जान चली गई। हालांकि इन दावों का खंडन कर दिया गया है।

पिछले साल आतंकियों ने रियासी में बस पर ओपन फायर किया था : 9 जून 2024 को आतंकियों ने जम्मू-कश्मीर में शिव खोड़ी से कटरा जा रही बस पर ओपन फायर किया था। हमले में ड्राइवर घायल हुआ था और उसका बस से कंट्रोल खो गया था। इसके चलते बस खाई में गिर गई। 10 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 33 लोग घायल हो गए थे। इस हमले की साजिश में कताल का नाम आया था।

एनआईए ने राजौरी हमले में कताल का नाम दिया था : नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) ने 2023 के राजौरी हमले में अबू कताल का नाम अपनी चार्जशीट में शामिल किया था। 1 जनवरी 2023 को राजौरी जिले के धंगरी गांव में एक आतंकी हमले में आम नागरिकों को निशाना बनाया गया था। अगले दिन, एक आईईडी विस्फोट भी हुआ। इन हमलों में सात लोगों की मौत हो गई, जिनमें दो बच्चे भी शामिल थे, जबकि कई अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। एनआईए ने इस मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की थी, जिनमें लश्कर-ए-तैयबा के तीन और आतंकी भी शामिल थे। एनआईए की चार्जशीट में जिन तीन आतंकियों के नाम हैं, वे हैं- अबू कताल, सैफुल्लाह उर्फ साजिद जट्ट (जो अली, हबीबुल्लाह और नोमान समेत कई और नामों से भी जाना जाता था) और मोहम्मद कासिम के रूप में की गई थी।

अबू कताल और साजिद जट्ट पाकिस्तानी नागरिक थे, जबकि मोहम्मद कासिम भारतीय था और 2002 के आसपास पाकिस्तान चला गया था। वहां जाकर वह लश्कर-ए-तैयबा में शामिल हो गया था। एनआईए की जांच में खुलासा हुआ कि इन तीनों को जिम्मेदारी दी गई थी कि वे लश्कर-ए-तैयबा में पाकिस्तानी आतंकियों की भर्ती कराएंगे और उन्हें जम्मू-कश्मीर में आतंकी हमलों को अंजाम देने के लिए तैनात करेंगे।

सिंधु नदी पर नहरों के निर्माण का विरोध, सिंध में प्रदर्शनों का सिलसिला जारी

सिंध, एजेंसी। पाकिस्तान के सिंध प्रांत में सिंधु नदी पर नई नहरों के निर्माण का विरोध बढ़ता जा रहा है। इन परियोजनाओं के लिए खिलाफ लोगों का गुस्सा बढ़ता ही जा रहा है। नेशनल ट्रेड यूनियन फेडरेशन पाकिस्तान (एनटीयूएफ) और युवा संगठन की ओर से शुक्रवार को कराची के प्रेस क्लब में सिंधु नदीः सिंध की जीवनरेखा खतरे में शीर्षक से एक सेमिनार आयोजित किया गया।

स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, सेमिनार में वक्ताओं ने सिंधु नदी के क्षरण से उत्पन्न पारिस्थितिक और सामाजिक-आर्थिक चुनौतियों पर प्रकाश डाला। वहीं चोलिस्तान परियोजना और सिंधु नदी पर अन्य नहरों के खिलाफ पाकिस्तान फिशरफोक फोरम की रैली में राजनीतिक और मानवाधिकार कार्यकर्ताओं के साथ-साथ बड़ी संख्या में मछुआरों ने भी भाग लिया। प्रदर्शनकारियों की मांग थी कि सिंधु नदी पर न नहरें, न बांध और न कट हों।

पाकिस्तान के प्रमुख समाचार पत्र द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पूरे प्रांत में आयोजित विरोध प्रदर्शनों और रैलियों में लोगों की असामान्य रूप से व्यापक भागीदारी देखी गई। सड़क पर उतरे लोग सिंधु नदी पर छह और नहरों के निर्माण की परियोजना को समाप्त करने की मांग कर रहे थे। इस सप्ताह की शुरुआत में, छह नई नहरों के निर्माण पर संसद के संयुक्त सत्र में पाकिस्तानी राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी के भाषण को सिंधु नदी बचाओ आंदोलन (एसआईआरएम) ने खारिज कर दिया और असंवैधानिक परियोजनाओं के खिलाफ प्रांतव्यापी विरोध प्रदर्शन की घोषणा की। नहर परियोजनाओं को कथित रूप से मंजूरी देने के लिए राष्ट्रपति जरदारी की आलोचना करते हुए, एसआईआरएम नेताओं ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मांग की कि पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) संघीय सरकार से बाहर हो जाए। एसआईआरएम के संयोजक सैयद जैन शाह ने चेतावनी दी कि इन परियोजनाओं से सिंध की कृषि नष्ट हो जाएगी, शहरों को गंभीर जल संकट का सामना करना पड़ेगा, सिंधु नदी के सूखने से पारिस्थितिकी तंत्र ध्वस्त हो जाएगा और भूमिगत जल संसाधन खत्म हो जाएंगे, केवल कॉर्पोरेट को लाभ होगा। शाह ने नहर परियोजनाओं पर राष्ट्रपति जरदारी के बयान को खारिज कर दिया और मांग की कि अस्पष्ट बयान देने के बजाय राष्ट्रपति को नई नहरों को मंजूरी देने वाली अधिसूचना को रद्द कर देना चाहिए।

कुर्स्क में डटे हैं यूक्रेनी सैनिक, दुश्मन का कर रहे सामना : राष्ट्रपति जेलेंस्की

कीव, एजेंसी। राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने शनिवार को दावा किया कि यूक्रेनी सैनिक अभी भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में रूसी और उत्तर कोरियाई सेनाओं का सामना कर रहे हैं। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि रूस सुमी क्षेत्र पर हमले की योजना बना रहा है। सोशल मीडिया पर दिए गए एक बयान में ज़ेलेंस्की ने कहा कि कीव के सैनिकों को कुर्स्क में घेरा नहीं गया है, लेकिन मॉस्को एक अलग हमले के लिए पास में सेना इक्ट्ठा कर रहा है। उन्होंने कहा, ÷ रूसी सुमी क्षेत्र पर हमला करने की मंशा का है। हमें इसकी जानकारी है और हम इसका मुकाबला करेंगे।÷ पिछले साल अगस्त में हजारों यूक्रेनी सैनिकों ने रूस के कुर्स्क क्षेत्र के लगभग 1,300 वर्ग (500 वर्ग मील) किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर लिया था। इस बारे में कीव का कहना था यह भविष्य की वार्ताओं में मोलभाव करने और रूस को पूर्वी यूक्रेन से हटने के लिए मजबूर करने का प्रयास था। हालांकि हाल के दिनों में रूसी सेना को इस इलाके में अहम कामयाबी हासिल हुई है। रूसी सेना के अनुसार, पिछले कुछ दिनों में तेज बढ़त की वजह से यूक्रेन के पास कुर्स्क में 200 वर्ग किमी (77 वर्ग मील) से भी कम क्षेत्र बचा है। मॉस्को ने यह भी दावा किया है कि उसने क्षेत्र के महत्वपूर्ण शहर सुदजा पर कब्जा कर लिया है। जेलेंस्की ने कहा, ÷मैं चाहता हूं कि सभी (हमारे) साझेदार यह समझें कि पुतिन क्या योजना बना रहे हैं, वे किसके लिए तैयारी कर रहे हैं और वे किस बात को नजरअंदाज करेंगे।÷ रूसी नेता व्लादिमीर पुतिन ने गुरुवार को कहा कि वह यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्ध विराम के ट्रंप के प्रस्ताव का सैद्धांतिक रूप से समर्थन करते हैं। हालांकि उन्होंने कुछ मुद्दों पर स्पष्टीकरण की मांग की जबकि कुछ शर्तें भी रख दी। शनिवार को, ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने लगभग 25 यूरोपीय नेताओं और अन्य सहयोगियों की एक बैठक में कहा कि युद्ध विराम स्वीकार करने के लिए पुतिन पर दबाव बढ़ाने की जरुरत होगी। जेलेंस्की ने कहा, ÷रूसी सेना की तैयारी यह दर्शाती है कि मॉस्को कूटनीति को अनदेखा करना जारी रखना चाहता है।÷ स्पष्ट है कि रूस युद्ध को लम्बा खींच रहा है। जेलेंस्की ने अपने बयान में यह भी कहा कि रणनीतिक पूर्वी यूक्रेनी शहर पोक्रोवस्क के पास युद्ध की स्थिति स्थिर हो गई है।

पाकिस्तान सुरक्षा बल ने आतंकी समूहों के ठिकानों पर की छापेमारी, दो सैनिक और नौ आतंकियों की मौत

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने आतंकी सशस्त्र समूहों के दो ठिकानों पर छापेमारी की। इस दौरान दोनों ओर से हुई गोलीबारी में दो पाकिस्तानी सैनिकों और नौ आतंकियों की मौत हो गई। अलजजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी सेना ने अफगानिस्तान की सीमा से लगे खैबर पख्तूनख्वा और डेरा इस्माइल खान जिले में छापेमारी की। पुलिस ने बताया कि लड़ाके तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) से जुड़े थे। पुलिस ने बताया कि शनिवार को लड़ाकों ने अफगानिस्तान सीमा से लगे उत्तर पश्चिमी पाकिस्तान से लगे कुर्रम जिले में घात लगाकर सुरक्षा बलों पर हमला किया था। इस हमले में किसी के हताहत होने की पुष्टि नहीं हुई है। इससे पहले टीटीपी के एक गुट ने पाकिस्तान के उत्तर पश्चिम में बन्नू में दो विस्फोटक लदे वाहनों ने सैन्य छावनी की चारदीवारी में टक्कर मार दी थी। चार मार्च को हुए इस आत्मघाती हमले में 12 लोगों की मौत हो गई, जबकि 30 अन्य घायल हो गए थे। सेना के जवानों ने कम से कम छह आतंकवादियों को मार गिराया था। हाफिज गुल बहादुर से जुड़े कम चर्चित जैश अल फुरसान ने बन्नू आत्मघाती हमले की जिम्मेदारी ली। यह समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान के कई गुटों में से एक है। पाकिस्तानी सेना लगातार चला रही अभियान पाकिस्तानी सेना ने बताया कि पिछले साल कुल 59,775 अभियानों के दौरान 925 आतंकवादी और 383 सैनिक मारे गए। 2021 में अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से पाकिस्तान में आतंकवादी गतिविधियों में इजाफा हुआ है। पाकिस्तान का आरोप है कि अफगान तालिबान ने तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान को समर्थन दिया है, जिसे कारण आतंकवादी हमलों में वृद्धि हुई है। 2024 को अब तक का सबसे खतरनाक साल माना जाता है, जिसमें 685 सैनिकों को अपनी जान गंवानी पड़ी।

अफगान तालिबान का करीबी सहयोगी है टीटीपी : बता दें कि 2021 में अफगानिस्तान में अफगान तालिबान ने सत्ता पर कब्जा कर लिया था। अफगानिस्तान में सत्ता कब्जाने के बाद से पाकिस्तान में टीटीपी और मजबूत हुआ है। हालांकि, टीटीपी या पाकिस्तान तालिबान एक अलग समूह है, लेकिन यह अफगान तालिबान का करीबी सहयोगी है।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

सूरत पुलिस ने 9 बड़ी गैंग के “डेंजर पर्सन” की लिस्ट तैयार की

संवेदनशील इलाकों में विशेष पुलिस ऑपरेशन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में सक्रिय 9 बड़ी गैंगों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिस ने च्डेंजर पर्सनज्ञ की सूची तैयार की है। ये गैंग कभी हत्या तो कभी गैंगवॉर जैसी घटनाओं में शामिल रही हैं। अपराध पर नियंत्रण पाने के लिए सूरत पुलिस ने संवेदनशील इलाकों में विशेष अभियान शुरू किया है। अमरोली कोसाड़ आवास में सफल कॉम्बिंग ऑपरेशन के बाद अब उधना क्षेत्र में भी यह अभियान तेज किया गया।

उधना पुलिस स्टेशन ने रात में अचानक कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया, जिसमें 40 से अधिक पुलिसकर्मियों ने भाग लिया।

व्यवस्था बनाए रखने के लिए सक्रिय

डीजीपी विकास सहाय ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि राज्य में असामाजिक तत्वों के लिए कोई जगह नहीं होगी। इसी उद्देश्य से सूरत पुलिस लगातार कार्रवाई कर रही है और आने वाले दिनों में भी ऐसे अभियान जारी रहेंगे। यदि कोई भी व्यक्ति कानून तोड़ने की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

500 से अधिक हिस्ट्रीशीटरों को चेतावनी

सूरत पुलिस अब तक 500 से अधिक अपराधियों की सूची तैयार कर चुकी है और उन्हें स्पष्ट चेतावनी दी गई है कि यदि वे अपराध छोड़ेंगे नहीं, तो उनके खिलाफ गुजसीटोक कि यदि वे नहीं सुधरे, तो उन्हें कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा।

15 मार्च को सूरत पुलिस ने 2 घंटे में 100 से अधिक संदिग्धों और अपराधियों की जांच की

डीजीपी विकास सहाय के आदेश के बाद, सूरत पुलिस ने उसी दिन अमरोली-कोसाड़ इलाके में विशेष कॉम्बिंग ऑपरेशन चलाया। यह ऑपरेशन 15 मार्च 2025 को शाम 7:00 बजे से रात 9:00 बजे तक चला।

इस दौरान 100 से अधिक संदिग्ध अपराधियों की जांच की गई, जिसमें -

GP Act धारा 135 के तहत 7 लोगों पर कार्रवाई

GP Act धारा 142 के तहत

पुलिस ने न केवल संदिग्ध लोगों की जांच की, बल्कि असामाजिक तत्वों के घरों पर भी छापेमारी की। तड़ीपार किए गए और पासा (Prevention of Anti-Social Activities Act) के तहत दर्ज अपराधियों की भी गहराई से जांच की गई ताकि शहर की कानून-व्यवस्था को मजबूत किया जा सके।

सूरत पुलिस कानून- (Gujarat Control of Terrorism and Organised Crime Act) के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी।

असामाजिक तत्वों पर पुलिस की कड़ी नजर

पुलिस अब **टपोरी (गुंडे), हिस्ट्रीशीटर, हृष्टक्र रिकॉर्ड वाले अपराधियों और अन्य असामाजिक तत्वों** की भी सूची तैयार कर रही है। इन लोगों को चेतावनी दी गई है

2 लोगों पर कार्रवाई

प्रोहिबिशन एक्ट के तहत 4 मामले दर्ज

BNSS धारा 126 और 170 के तहत 28 व्यक्तियों की जांच

40 MCR (Missing Criminal Record) चेक

4 हिस्ट्रीशीटर अपराधियों की जांच

7 फरार आरोपियों की जांच

8 सूचीबद्ध बूटलेगर और 2 जुआरियों की जांच

वापी में पुरानी रंजिश को लेकर हुई मारपीट के मामले में आरोपी गिरफ्तार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वापी के चीकुवाड़ी इलाके में धुलेटी के दिन पुरानी रंजिश के कारण दो गुटों के बीच हिंसक झड़प हो गई। इस घटना में तलवार और हथौड़े जैसे घातक हथियारों का इस्तेमाल किया गया।

पुलिस शिकायत के अनुसार, शिवा अजय सिंह अपने मित्र अंकित गुप्ता के साथ लखमदेव तालाब के पास मिला था। अंकित ने पुराने झगड़े की बात करने के लिए लालू यादव से मिलने जाने की बात कही थी। दोनों नायरा पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, जहां उनके अन्य दोस्त अंकित जायसवाल, अभिषेक पटेल, आकाश कुमार, पृथ्वी राजवंशी और गोलू शंभु साहनी सहित कुल 8 लोग मौजूद थे।

पूरा समूह चीकुवाड़ी पहुंचा, जहां लालू यादव, उपेंद्र यादव और सत्यम के साथ बातचीत बहस में बदल गई। इसी दौरान गोलू साहनी के सिर पर हथौड़े से हमला किया गया। शिवा को भी पीटा गया, और एक दुकान से तलवार लाकर उस पर हमला किया गया, जिससे उसके सिर में 26 टांके आए।

वहीं, सत्यम यादव की शिकायत के अनुसार, शिवा और उसके 13 साथियों ने लालू यादवको घेर लिया था। उनके गुट ने

> तलवार और हथौड़े से किए गए हमले में दो व्यक्तियों को गंभीर चोटें आई हैं। इस घटना में दोनों पक्षों ने एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई कर रही है।

तलवार और रॉड से हमला किया, जिसमें उपेंद्र यादव** गंभीर रूप से घायल हो गया।

पुलिस ने इस मामले में दोनों पक्षों की क्रॉस-शिकायत दर्ज की है। वापी पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

धुलेटी पर रंग उड़ाने को लेकर हुए झगड़े में कार्रवाई

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत पांडेसरा इलाके में होली के दिन रंग उड़ाने को लेकर हुई झड़प में चार युवकों ने सचिन गौतम नामक युवक पर हमला कर दिया था। पीड़ित ने पांडेसरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

क्या है पूरा मामला ?

होली के दिन सचिन गौतम और आरोपियों के बीच रंग उड़ाने को लेकर बहस हो गई थी। विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने युवक पर हिंसक हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। घटना के बाद पीड़ित ने पांडेसरा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपियों की तलाश शुरू की और उन्हें गिरफ्तार कर लिया।

आरोपियों का रिकंस्ट्रक्शन और सार्वजनिक उठक-बैठक

पांडेसरा पुलिस ने कैलासनगर इलाके में आरोपियों का रिकंस्ट्रक्शन किया, जहां उन्होंने स्वीकार किया कि उन्होंने युवक पर हमला किया था। इसके बाद, पुलिस ने चारों आरोपियों को सार्वजनिक रूप से लाकर, स्थानीय अधिकारियों और जनता की मौजूदगी में उठक-बैठक कराई। इस प्रक्रिया के दौरान आरोपियों ने अपने कृत्य को स्वीकार कर माफी मांगी।

कौन हैं ये आरोपी ?

पुलिस ने इस मामले में चारों आरोपियों की पहचान सार्वजनिक कर दी है, जिनमें से तीन गोरखपुर, उत्तर प्रदेश के और एक बस्ती, उत्तर प्रदेश का निवासी है।

1 दिवाकर रामउजागीर यादव (24) - डिलीवरी बॉय

2 चंद्रकेश उर्फ अमित सबरजीत सहानी (24) - जेप्टो में डिलीवरी का काम करता है

3 आकाश कुशहर गुप्ता (24)- रंग पेंटिंग का काम करता है

4 रामजतन रामचंद्र यादव (23)- मजदूरी करता है

पांडेसरा पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारियों ने कहा कि असामाजिक तत्वों पर कड़ी नजर रखी जा रही है और क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त कदम उठाए जाएंगे।

उठक-बैठक और सार्वजनिक माफी - पुलिस की चेतावनी

पांडेसरा पुलिस ने सार्वजनिक रूप से उठक-बैठक कराकर आरोपियों को कानून का एहसास कराया और नागरिकों को संदेश दिया कि इस तरह के किसी भी असामाजिक व्यवहार को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

सचिन GIDC में बेकाबू डंपर चालक ने 12 वर्षीय आशीष निषाद को कुचला,दर्दनाक मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सचिन GIDC क्षेत्र में बेकाबू डंपर चालक द्वारा 12 वर्षीय आशीष निषाद को टक्कर मारने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। शिव नगर चौराहे के पास हुई इस दुर्घटना में डंपर चालक ने वाहन को रिवर्स लेते समय बच्चे को कुचल दिया। सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद यह घटना साफ दिखाई दे रही है। अस्पताल पहुंचे मृतक के परिजनों के करुण क्रंदन से माहौल गमगीन हो गया।

पीड़ित परिवार में शोक की लहर आशीष निषाद अपने परिवार के साथ तलंगपुर के गीता नगर में रहता था और तीसरी कक्षा का छात्र था। दुर्घटना के बाद परिवार में गहरा शोक व्याप्त हो गया। मौके पर मौजूद लोगों ने डंपर चालक की लापरवाही पर नाराजगी जाहिर की और प्रशासन से कार्रवाई की मांग की।

सचिन GIDC में दर्दनाक हादसा: 12 वर्षीय आशिष निषाद की डंपर से कुचलकर मौत सिविल अस्पताल से मिली जानकारी के अनुसार,मृतक आशिष निषाद के पिता केशवकुमार निषाद उत्तर प्रदेश के फतेहपुर के मूल निवासी हैं और सचिन GIDC क्षेत्र के गीता नगर में रहते थे। वह चाय-नाश्ते की दुकान चलाकर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। बेटे की अचानक मौत से पूरा परिवार सदमे में है।

रिवर्स आते डंपर ने आशिष को कुचला

CCTV फुटेज में साफ दिख रहा है कि आशिष पैदल जा रहा था, तभी डंपर रिवर्स आया। चालक ने उसे नहीं देखा और डंपर उसके ऊपर चढ़ गया आशिष वहीं गिर पड़ा और डंपर के टायर उसकी देह पर से गुजर गए। इसके बाद डंपर आगे बढ़कर मौके से निकल गया।

परिवार की मांग: दोषी ड्राइवर पर सख्त कार्रवाई हो मृतक के भाई विनय कुमार ने बताया कि सुबह 10:30 बजे आशिष दुकान से घर लौट रहा था, तभी बेकाबू डंपर ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। उन्होंने प्रशासन से लापरवाह डंपर चालकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

स्थानीय लोगों में आक्रोश, पुलिस ने शुरू की जांच

इस दर्दनाक हादसे के बाद स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश है। पुलिस ने CCTV फुटेज के आधार पर डंपर चालक की तलाश शुरू कर दी है। प्रशासन ने वाहन चालकों से सावधानी बरतने और ट्रैफिक नियमों का पालन करने की अपील की है ताकि भविष्य में इस तरह की दुर्घटनाएं न हों।

चार विदेशी छात्रों पर भीड़ ने बैट और डंडों से हमला किया

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

वडोदरा में एक धार्मिक स्थल पर चप्पल पहनकर सिगरेट पीने की घटना को लेकर विवाद बढ़ गया। इसके बाद,एक भीड़ ने चार विदेशी छात्रों पर बैट और डंडों से हमला कर दिया।

पुलिस ने इस मामले में 10 लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की और अब तक 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

वडोदरा की पारुल यूनिवर्सिटी में पढ़ने वाले चार विदेशी छात्र 14 मार्च को धुलेटी की छुट्टी होने के कारण शाम के समय लीमड़ा गांव के तालाब के पास घूमने गए थे। वहां वे एक धार्मिक स्थल पर चप्पल पहनकर सिगरेट पी रहे थे।

विवाद और हमला:

गांव के लोगों ने धार्मिक स्थल पर चप्पल पहनकर सिगरेट पीने से रोका, जिससे विवाद बढ़ गया। इसके बाद करीब 10 लोगों की भीड़ बैट, डंडों और लकड़ियों के साथ वहां पहुंची और चारों छात्रों पर हमला कर दिया। हमले में एक छात्र गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर गिर पड़ा। सभी घायलों को पारुल सेवाश्रम अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पुलिस कार्रवाई:

घटना का वीडियो वायरल होने के बाद वाघोडिया पुलिस ने इस मामले में 10 हमलावरों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की और 2 नाबालिग समेत 7 लोगों को गिरफ्तार कर लिया। आगे की जांच जारी है।

पीड़ित छात्र:

1. सुफाय कांगवन रुट्टन (थाईलैंड) - BCA, द्वितीय वर्ष
2. ओडवा एंड्रू अब्बास आंद्रे (दक्षिण सूडान) - पेट्रोलियम इंजीनियरिंग, प्रथम वर्ष
3. टांगे इवेनिल्सन थोमल (मोज़ाम्बिक) - पेट्रोलियम इंजीनियरिंग, प्रथम वर्ष
4. मोहम्मद अली खलीफ खलीफ मोहम्मद (UK) - कार्डियोलॉजी, प्रथम वर्ष

तापी जिले के पूर्व डीवाईएसपी के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज

काकरापार में जमीन विवाद के मामले में

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

तापी जिले में एक आदिवासी महिला की जमीन को लेकर विवाद हुआ था, जिसके कारण महिला ने जमीन को गलत तरीके से हड़पने के खिलाफ संबंधित व्यक्ति पर केस दर्ज करवाया था। उस समय, कलेक्टर ने आरोपी व्यक्ति पर जुर्माना लगाया था।

महिला पर केस वापस लेने का दबाव डाला गया था। जब समन की तामील की जा रही थी, उस दौरान डीवाईएसपी ने जातिसूचक अपशब्द कहे, जिसके कारण महिला ने एट्रोसिटी कोर्ट में उनके खिलाफ अर्जी दायर की। इस मामले में पुलिस ने तत्कालीन एसटीएससी डीवाईएसपी अतुल कांतिलाल उर्फ ए.के. पटेल के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। व्यारा क्षेत्र में रहने वाली इस आदिवासी महिला की जमीन के विवाद को लेकर पहले कलेक्टर के पास मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में व्यारा के चेतन भट्ट को 19 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया था। इसके बाद महिला और उसके परिजनों पर केस वापस लेने के लिए दबाव बनाया गया और महिला के पति को झूठे केस में फंसाने की साजिश रची गई।

जुर्माना भरने वाले व्यक्ति ने तत्कालीन सरकारी वकील वीरेन्द्र त्रिवेदी को नियुक्त कर महिला के पति के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। इसके बाद, महिला के पति ने भी वकील के खिलाफ पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी।

तत्कालीन एसटीएससी डीवाईएसपी अतुल कांतिलाल (ए.के. पटेल) पर आरोप लगा कि वे वकील की बातों में आकर महिला और उसके परिवार को परेशान कर रहे थे। 16 दिसंबर 2019 को सुबह महिला की बेटी घर में अकेली थी, तभी डीवाईएसपी और पुलिस टीम वहां पहुंची और सार्वजनिक रूप से जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया, जिससे बेटी रो पड़ी।

घटना के बाद, डीवाईएसपी ने महिला और उसके पति को मिलने बुलाया, जहां भी जातिसूचक अपशब्द कहे गए। उन्होंने जबरदस्ती महिला के पति के हाथ में समन पकड़ाकर उस पर हस्ताक्षर कराने की कोशिश की और सार्वजनिक रूप से उनका अपमान किया।

इस पर महिला ने एट्रोसिटी कोर्ट में डीवाईएसपी के खिलाफ आवेदन दिया। कोर्ट ने डीवाईएसपी ए.के. पटेल के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश दिया। हालांकि, डीवाईएसपी ने उस समय हाईकोर्ट में स्पेशल क्रिमिनल एप्लिकेशन के तहत याचिका दायर की थी। 27 फरवरी 2025 को उन्होंने अपनी याचिका वापस ले ली, जिसके बाद कोर्ट के आदेशानुसार काकरापार पुलिस ने डीवाईएसपी ए.के. पटेल के खिलाफ एट्रोसिटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया।

श्रीमाधोपुर परिषद का होली स्नेह मिलन का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,श्रीमाधोपुर परिषद, सूरत द्वारा होली स्नेह मिलन समारोह का आयोजन रविवार को शाम पाँच बजे से हजीरा रोड, पाल स्थित डी-विल्ला गार्डन रेस्टोरेन्ट, हजीरा रोड में किया गया। कार्यक्रम में अनेकों सांस्कृति कार्यक्रम, हाउजी, खेलखुद प्रतियोगिता एवं लकी ड्रा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी के लिए अल्पाहार एवं स्वरूचि भोजन की व्यवस्था परिषद द्वारा की गई थी। आयोजन में सभी ने फूलों की होली खेली एवं अंत में एक दूसरे को होली की शुभकामनाएं दी।